आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक

हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 26 | अंक - 154 | उज्जैन, शुक्रवार 26 अप्रैल 2024 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रूपया

खबरदार.. जो तुच्छ किस्म की अर्जी फिर लगाई, केंद्र पर क्यों भड़का SC; ठोक दिया 5 लाख का जुर्माना

पद्मा विद्यालय की छात्राओं ने संगीतमयी नृत्य नाटिका के माध्यम से दिया मतदान का संदेश

नईदिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मेघालय हाई कोर्ट के आदेश को चुनौती देने के लिए केंद्र सरकार पर 5 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है और इसे कानूनी प्रक्रिया का 'सरासर दुरुपयोग करार दिया है। जस्टिस विक्रम नाथ और दस्टिस सतीशचंद्र शर्मा की पीठ ने कहा कि केंद्र सरकार के पास विशेष अनुमति याचिका के माध्यम से हाई कोर्ट के आदेश को चुनौती देने का कोई औचित्य नहीं था।

इसके साथ ही पीठ ने सख्त रुख दिखाते हुए कहा, ''केंद्र सरकार की वर्तमान याचिका कानूनी प्रक्रिया का सरासर दुरुपयोग है। याचिकाकर्ता को चेतावनी दी जाती है कि वे भविष्य में ऐसी महत्वहीन और तुच्छ याचिकाएं दायर न करें।''

खंडपीठ ने कहा, ''हम हाई कोर्ट के संबंधित निर्णयों और आदेशों में हस्तक्षेप करने के इच्छुक नहीं हैं। इस तरह, जुर्माना लगाने के साथ विशेष अनुमति याचिका खारिज की जाती है क्योंकि हाई कोर्ट के समक्ष याचिकाकर्ता (केंद्र) के वकील ने कहा था पिछले आदेश में इस मामले का निपटारा कर दिया गया था।''

दरअसल, शीर्ष अदालत उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ केंद्र की एक अपील अर्जी पर सुनवाई कर रही थी जिसने केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण के फैसले को बरकरार रखा था। उच्च न्यायालय ने केंद्र सरकार की इस दलील पर गौर करने के बाद मामले का निपटारा कर दिया था कि इसी तरह की याचिका पहले खारिज कर दी गई थी।

पीठ ने याचिकाकर्ता पर 5,00,000 रुपये का जुर्माना लगाया जिसे आठ सप्ताह के भीतर सशस्त्र बल युद्ध हताहत कल्याण कोष के खाते में जमा किया जाएगा।

असम राइफल्स के काफिले पर हमले में उल्फा (आई) के तीन सदस्य गिरफ्तार, गोलीबारी में एक जवान घायल

नई दिल्ली (एजेंसी)। तिनसुकिया जिले में असम राइफल्स के काफिले पर घात लगाकर हमला करने के मामले में बुधवार को प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन उल्फा (आई) के तीन भूमिगत सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया गया। गत 16 अप्रैल को अरुणाचल प्रदेश के चांगलांग से तिनसुकिया (असम) के मार्गेरिटा की ओर आ रहे 31 असम राइफल्स के काफिले पर मकुमपानी वन क्षेत्र में संदिग्ध उग्रवादियों ने गोलीबारी कर दी थी। इसमें अर्धसैनिक बल का एक जवान घायल हो गया था।

हमले की जिम्मेदारी उल्फा (आई) ने ली थी। तिनसुकिया पुलिस ने बताया कि अरुणाचल प्रदेश के चांगलांग जिले के तीन लोगों को पड़ोसी राज्य के पुलिस बल और असम राइफल्स के साथ संयुक्त अभियान में पकड़ा गया है। गिरफ्तार आरोपितों में से एक ने हमला करने वाले उग्रवादियों की राशन और मार्गदर्शक के रूप में मदद की थी। इसके अलावा दो अन्य ने उग्रवादियों को हमले के बाद भागने में मदद की थी।

पुलिस ने कहा कि पता चला है कि हमले के दौरान असम राइफल्स की जवाबी फायरिंग में एक उग्रवादी की मौत हो गई थी और उसे उसके साथियों ने पास के वन क्षेत्र में दफना दिया थे। मारे गए उग्रवादी के शव को बरामद करने और परिवार के सदस्यों को सौंपने के प्रयास जारी हैं।

दिल्ली में पार्किंग टेंडर देने में सामने आया बड़ा फर्जीवाड़ा, CBI करेगी जांच

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में पार्किंग टेंडर देने के नाम पर बड़ा फर्जीवाड़ा सामने आया है। दिल्ली नगर निगम की आरपी सेल (लाभकारी परियोजना विभाग) नियम कानून को ताक पर रखकर टेंडर दे रहा है। दक्षिण दिल्ली के साकेत स्थित सेलेक्ट सिटी मॉल के पीछे खाली भूखंड पर संजय टेक्नो प्रालि को पार्किंग टेंडर देने के मामले में फर्जीवाड़ा करने का मामला सामने आया है।

मामला साकेत कोर्ट और राउज एवेन्यू कोर्ट के अलावा भारत के लोकपाल तक पहुंचने पर केंद्रीय सतर्कता आयोग ने सीबीआई के भ्रष्टाचार निरोधक शाखा को जांच करने को कहा है। सीबीआई ने दिल्ली नगर निगम के एडिशनल कमिश्नर, डिप्टी कमिश्नर, आरपी सेल के सेक्शन आफिसर और साकेत थाने के एसएचओ की भूमिका की जांच शुरू कर दी है।

पार्किंग कर्मचारी दोगुना से अधिक शुल्क वसूलने लगे- सेलेक्ट सिटी मॉल के पीछे खाली भूखंड पर आरपी सेल ने संजय टेक्नो प्रा. लि. को करीब 23 लाख रुपये मासिक शुल्क पर 2022 में तीन साल के लिए पार्किंग का टेंडर दिया था।

अरुणाचल में भारी बारिश के बाद भूस्खलन में बहा हाईवे, चीन की सीमा से जुड़े इलाकों से कटा संपर्क

नई दिल्ली (एजेंसी)। अरुणाचल प्रदेश में भारी भूस्खलन के कारण राजमार्ग का एक बड़ा हिस्सा बह गया है, जिससे चीन की सीमा से लगे जिले दिबांग घाटी से सड़क संपर्क बाधित हो गया है।

इस हादसे के बाद अरूणांचल प्रदेश के मुख्यमंत्री प्रेमा खांडू ने ट्वीट कर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने अपने ट्वीट में कहा कि हुनली और अनिनी के बीच राजमार्ग को व्यापक क्षति के कारण यात्रियों को होने वाली असुविधा के बारे में जानकर परेशान हूं। जल्द से जल्द कनेक्टिविटी बहाल करने के निर्देश जारी किए गए हैं क्योंकि यह सड़क दिबांग घाटी को देश के बाकी हिस्सों से जोड़ती है।

वहीं, अधिकारियों ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से हो रही भारी वर्षा के कारण कल जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग-313 पर हुनली और अनिनी के बीच भारी भूस्खलन हुआ। वीडियो में देखा जा सकता है कि राजमार्ग का एक हिस्सा गायब हो गया है, जिससे वाहनों का दूसरी ओर जाना असंभव है और स्थानीय लोगों और सुरक्षा बलों के लिए मुश्किलें खड़ी हो गई हैं, जो इस कठिन इलाके में राजमार्ग को जीवन रेखा मानते हैं।

राष्ट्रीय राजमार्ग और बुनियादी ढांचा विकास निगम लिमिटेड ने राजमार्ग के क्षतिग्रस्त हिस्सों की मरम्मत के लिए संसाधन जुटाए हैं। वर्तमान में भोजन एवं अन्य आवश्यक वस्तुओं की कोई कमी नहीं है।

बढ़ती गर्मी ने नहीं मौसम के अलर्ट ने बढ़ाई चिंता, बारिश से फिर सकता है साल भर की मेहनत पर पानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। मौसम विभाग के ताजा अलर्ट ने किसानों की एक बार फिर से चिंता बढ़ा दी है। हालांकि बढ़ती गर्मी से उन्हें कोई चिंता नहीं है।

लेकिन उन्हें चिंता इस बात की है कि मौसम विभाग ने शनिवार और रविवार को एक बार फिर से येलो अलर्ट जारी किया है और फिर से बारिश और ओलावृष्टि के चलते किसानों ने गेहूं की कटाई तेज कर दी है। लोग एक दूसरे से कंबाइनों और अतिरिक्त ट्रालियों की मांग कर रहे हैं। सरकार के लिए अभी तक सुखद सिर्फ यह है कि अभी तक मंडियां अनाज से पाटी नहीं हैं। क्योंकि पिछले दो बार बारिश होने के चलते कटाई का काम दो से चार दिनों के लिए रुक गया।

मंडियों में बनाई जा रही अतिरिक्त गेहूं रखने की जगह - ऐसे में मंडियों से अनाज की ढुलाई हो गई और अतिरिक्त गेहूं रखने की जगह बन गई। लेकिन मंडियों में आ रहे किसानों को इस बात का दुख है कि फरवरी और अप्रैल महीन में हुई ओलावृष्टि से हुए नुकसान की न तो गिरदावरी हुई है और न ही किसी किस्म का मुआवजा मिला है।

भारी गर्मी के कारण फसलों में नमी तो कम है। केवल बारिश के दिनों में एक दो फीसदी ज्यादा हो जाती है। लेकिन अब जिस प्रकार से पंजाब की मंडियों में 8-8 लाख टन गेहूं आ रही है। उससे सरकार की चिंताएं बढ़ रही है। खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के अधिकारी मानते हैं कि अभी उतनी दिक्कत नहीं है लेकिन अगर फिर से बारिश हुई तो खरीद और ढुलाइ दोनों का काम प्रभावित हो सकता है।

माफिया लिपिन के पटौदी स्थित घर की पहली मंजिल पर चला बुलडोजर

गुरुग्राम। सरगना लिपिन के पटौदी भूडका स्थित घर की पहली मंजिल पर गुरुवार को बुलडोजर से तोड़फोड़ हुई। मकान का पहला फ्लोर अवैध रूप से बना हुआ था। ग्राउंड फ्लोर कंट्रोल्ड एरिया से पहले का बना हुआ था। लिपिन लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से संबंध रखता हैं। लिपिन पर 8 से 10 आपराधिक गतिविधियों को लेकर मामला भी दर्ज हैं। इसमें हत्या से लेकर कई जघन्य अपराध शामिल हैं।

भारत के खिलाफ धीमा जहर बो रहा चीन, तिब्बतियों को बना रहा हथियार और ढाल; PLA की पॉलिसी में 2 बदलाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। पड़ोसी देश चीन भारत के खिलाफ हमेशा कुछ न कुछ खुराफात करता रहता है। ताकि उसके निकटवर्ती देश या तो मुश्किलों में घिर जाएं या मौका पाते ही उस पर वो धावा बोल दे। चीन की शी जिनपिंग सरकार ने भारत को कमजोर करने के मकसद से अपनी नीति में दो बड़े बदलाव किए हैं। इसमें पहला हर तिब्बती परिवार के एक सदस्य को चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी में भेजना अनिवार्य कर दिया है और दूसरा हाल ही में एक तिब्बती महिला को चीन की एयर फोर्स पीपुल्स लिबरेशन आर्मी-एयर फोर्स में फाइटर जेट का पायलट बनायाहै।

चीन ने ये दो बड़े बदलाव वास्तविक नियंत्रण रेखा पर भारत के खिलाफ संभावित जंग को देखते हुए उठाया है। सामरिक विशेषज्ञों ने इस बात की आशंका जताई है कि निकट भविष्य में भारत और चीन के बीच हिमालय के अंदर LAC पर जंग के आसार बन सकते हैं। अगर कभी ऐसा हुआ, तो सीमा के दोनों ओर तिब्बती नागरिक ही एक-दूसरे के खिलाफ लड़ते नजर आ सकते हैं।

पिछले कुछ सालों से LAC पर भारत और चीन के बीच गतिरोध बना हुआ है। उसकी वजह से दोनों देशों के बीच के रिश्तों में भी तनातनी है। चीन ने अभी हाल ही में अरुणाचल के करीब 30 स्थानों का चीनी नाम प्रकाशित कर उसके चीनी होने का दावा पेश किया था लेकिन भारत ने उस पर चीन को करारा जवाब दिया था। उसके बाद से चीन खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहा है। इतना ही नहीं भारत ने हाल ही में चीन के एक अन्य पड़ोसी देश फिलिपीन्स को दुनिया की सबसे तेज क्रूज मिसाइल ब्रह्मोस बेची है। चीन इनसे भी भुना हुआ है।

दरअसल, भारत हजारों तिब्बती शरणार्थियों और निर्वासित तिब्बती सरकार का घर है। तिब्बितयों के आध्यात्मिक नेता दलाई लामा भी भारत में ही रहते हैं। इसलिए लाखों तिब्बतियों का भारत के प्रति स्वभाविक झुकाव रहा है और वे चीन के दमनकारी नीतियों का विरोध करते रहे हैं। इस बीच, चीन ने तिब्बत के विद्रोही और आंदलोनकारी युवकों की आवाज दबाने के लिए नए तरीके ईजाद किए हैं। इसी तरकीब के तहत चीन ने तिब्बती युवकों की PLA में भर्ती शुरू की है। इसके लिए अनिवार्य शर्त ये रखा गया है कि उन्हें एक कठिन

वफादारी परीक्षा से गुजरना होगा और चीनी मुख्य भाषा सीखनी होगी। इसके अलावा उन तिब्बती युवकों को यह लिखित में देना होगा कि वे चीनी कम्युनिस्ट पार्टी की सर्वोच्चता को स्वीकार करते हैं।

चीन की गोद में खेलने का मालदीव को हुआ फायदा, लेकिन भारत ने कर दिया मुइज्जू संग खेल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत से टेंशन के बीच मालदीव को टूरिज्म के मुद्दे पर राहत मिली है। मालदीव पहुंचने वाले विदेशी पर्यटकों की संख्या में इजाफा हुआ है। पिछले साल की तुलना में अब तक 13 फीसदी अधिक पर्यटकों ने मालदीव की यात्रा की है। उल्लेखनीय है कि मालदीव घूमने-फिरने के लिए पसंद किया जाने वाला देश है और पर्यटकों की मदद से ही काफी हद तक मालदीव की इकॉनमी भी चलती है। मालदीव पहुंचने वाले पर्यटकों में सबसे ज्यादा चीन के हैं, लेकिन नई दिल्ली और माले के बीच तनाव बढ़ने से भारत ने मालदीव के साथ खेल कर दिया है। दरअसल, भारत से मालदीव जाने वाले पर्यटकों की संख्या में लगातार कम हो रही है, जिसका उसे आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ रहा है।

मालदीव की टूरिज्म मिनिस्ट्री के अनुसार, इस साल जनवरी से लेकर 22 अप्रैल तक मालदीव पहुंचने वाले टूरिस्ट्स की संख्या सात लाख को पार कर गई। अब तक 728,950 पर्यटकों ने मालदीव की यात्रा की है। पिछले साल इस अवधि के दौरान 644,721 विदेशी पर्यटक मालदीव पहुंचे थे। यानी कि इस बार 84,229 टूरिस्ट्स ज्यादा मालदीव पहुंचे जोकि 13 फीसदी पिछले बार से अधिक है। मालदीव में रोजाना औसतन 6,451 पर्यटक आते हैं। वर्तमान में मालदीव में 176 रिसॉर्ट्स, 844 गेस्टहाउस, 147 सफारी जहाज और 15 होटल हैं।

जिन देशों से नागरिक मालदीव घूमने जा रहे हैं, उसमें सबसे ऊपर मालदीव का करीबी चीन है। चीन से 77,709 पर्यटक अब तक मालदीव घूमने गए हैं। दूसरे नंबर पर ब्रिटेन है, जहां से 72,635 पर्यटक मालदीव गए।

भारत से दोस्ती कर लीजिए, इसी में भलाई, पाकिस्तानी झुनझुनवाला ने PM शहबाज शरीफ को दी नसीहत

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के व्यापार जगत के लोगों ने देश के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से व्यापार तथा वाणिज्य को बढ़ावा देने के लिए भारत के साथ व्यापार वार्ता शुरू करने का आग्रह किया है। शरीफ के साथ एक संवाद सत्र में उन्होंने यह आग्रह किया, जिससे नकदी संकट से जूझ रहे देश की अर्थव्यवस्था को काफी फायदा होगा। पाकिस्तान की वाणिज्यिक राजधानी में सिंध सीएम हाउस में बुधवार को एक घंटे की बैठक के दौरान कई बड़े सवाल उठे। कराची के व्यापारिक समुदाय ने आर्थिक मुद्दों से निपटने के लिए प्रधानमंत्री के दृढ़ संकल्प की सराहना की, लेकिन साथ ही उन्हें अर्थव्यवस्था की बेहतरी के लिए राजनीतिक स्थिरता लाने पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह भी दी।

समाचार पत्र 'डॉन' की खबर के अनुसार, प्रधानमंत्री ने निर्यात के जरिए अर्थव्यवस्था को ऊपर उठाने के तरीके तलाशने के लिए व्यापारिक समुदाय के साथ बैठक की। हालांकि, उनके संकल्प को उद्योग जगत के लोगों की आशंकाओं का सामना करना पड़ा, जिन्होंने कहा कि मौजूदा परिस्थितियों में खासकर उच्च ऊर्जा लागत और असंगत सरकारी नीतियां के साथ व्यापार करना लगभग असंभव है। प्रधानमंत्री के संक्षिप्त भाषण के बाद सवाल-जवाब शुरू किए गए। इस दौरान व्यापार जगत के लोगों ने सरकार के हालिया कदमों की सराहना की, लेकिन और अधिक कदम उठाने की मांग की। उन्होंने वांछित परिणाम हासिल करने के लिए आर्थिक नीतियों पर प्रस्ताव भी साझा किए।

नहीं थम रहा इजरायल-हमास के बीच युद्ध, 7 अक्टूबर से अब तक गाजा में मारे गए 34,305 फलस्तीनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजरायल और हमास के बीच युद्ध थमने का नाम नहीं ले रहा है। इस युद्ध में अब तक कई लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं, गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय ने गुरुवार को एक बयान में कहा कि 7 अक्टूबर से गाजा पर इजरायल के सैन्य हमले में कम से कम 34,305 फिलिस्तीनी मारे गए हैं और 77,293 घायल हुए हैं।

अमेरिका, मिस्र समेत कई देश एक तरफ, फिर भी राफा पर हमले को तैयार इजरायल; बढ़ रही सेना

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजरायल और हमास के बीच युद्ध थमने की बजाय और बढ़ता दिख रहा है। अमेरिका, ब्रिटेन समेत कई देशों ने इजरायल को सलाह दी है कि वह युद्ध से पीछे हट जाए। इसके बाद भी इजरायल ने गाजा के राफा शहर पर हमले की तैयारी पूरी कर ली है। इजरायल ने बुधवार को कहा कि वह राफा पर हमले की तैयारी में है और उसकी सेना आगे बढ़ रही है। उसके इस ऐलान से पड़ोसी देश मिस्र भी नाराज हो गया है। इजरायल यह हमला करेगा, इसकी कोई टाइमलाइन तय नहीं है, लेकिन हमला कभी भी हो सकता है।

इजरायली सेना के सूत्रों का कहना है कि करीब 40 हजार टेंट खरीदे गए हैं। हर टेंट में 10 से 12 लोग रह सकते हैं। इजरायल इस बार राफा पर हमला करने से पहले टेंट सिटी तैयार करेगा ताकि वहां से बाहर निकलने वाले फिलिस्तीनियों को वहां रखा जा सके। इजरायली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू खुद कई बार दोहरा चुके हैं कि राफा पर हमला किया जाएगा। गाजा का यही एक ऐसा शहर है, जिसमें अब तक इजरायली सेना नहीं घुसी थी। हमास ने 7 अक्टूबर को इजरायल पर हमला किया था। उसके बाद से ही इजरायल हमलावर है और खान यूनिस समेत गाजा के कई शहरों को तबाह कर दिया है। इजरायल के हमलों में अब तक 35 हजार से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं।

अब इजरायल का कहना है कि हमास की 4 सशस्त्र यूनिटों ने राफा शहर में ठिकाना बना लिया है। ऐसे में उसे नेस्तनाबूद करने के लिए राफा पर जमीनी हमला करना जरूरी है। इस बार इजरायल यह

हिजबुल्लाह के हमले के बाद इजरायल ने लेबनान पर दागे कई रॉकेट, 40 आतंकी ठिकानों को किया तबाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान समर्थित संगठन हिजबुल्लाह के हमले के बाद इजरायल ने उसपर कई रॉकेट अटैक किए हैं। तोपखानों से दक्षिणी लेबनान के एक क्षेत्र पर बमबारी की जा रही है। इन रॉकेटों ने कई घरों को क्षतिग्रस्त कर दिया। इसमें कितना नुकसान हुआ ये सामने नहीं आया।

40 आतंकी ठिकानों पर हमला - इजराइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने बताया कि बुधवार दोपहर को उसने लेबनान में आतंकवादी संगठन हिजबुल्लाह के लगभग 40 ठिकानों पर हमला कर तबाह कर दिया। हमले दक्षिणी लेबनान के आयता राख शब क्षेत्र में किए गए थे और इसमें इजराइल वायु सेना के लड़ाकू जेट और आईडीएफ तोपखाने दोनों का इस्तेमाल किया गया था।

इन्हें बनाया गया निशाना- आईडीएफ के अनुसार, उन्होंने हिजबुल्लाह के भंडारण सुविधाएं, हथियार और आतंकवादी बुनियादी ढांचे और क्षेत्र में संगठन द्वारा उपयोग किए जाने वाले अन्य क्षेत्रों पर ये हमले किए हैं। यह सीमा क्षेत्र में हिजबुल्लाह के बुनियादी ढांचे को नष्ट करने का प्रयास था।

इजरायल पर अंधाधुंध रॉकेट लॉन्च कर रहा हिजबुल्लाह- बता दें हिजबुल्लाह आतंकवादी कार्यों के लिए आयता राख शब क्षेत्र का व्यापक उपयोग करता है और उसने इस क्षेत्र में संगठन के दर्जनों आतंकवादी साधन और बुनियादी ढांचे बना रखे हैं, जिनका लक्ष्य इजरायल है। गाजा में हमास के खिलाफ युद्ध शुरू होने के बाद से हिजबुल्लाह इजरायल में नागरिक ठिकानों पर अंधाधुंध रॉकेट लॉन्च कर रहा है।

अमेरिका ने यूक्रेन को गुपचुप दीं बैलेस्टिक मिसाइलें, यूक्रेनी सेना ने रूस की स्टील फैक्ट्री पर किया हमला

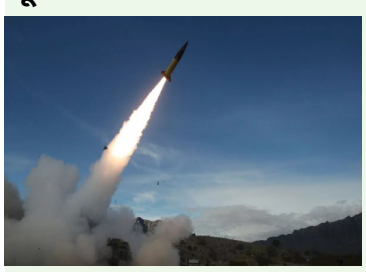

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूक्रेन ने रूस के कब्जे वाले इलाकों में पहली बार लंबी दूरी की बैलेस्टिक मिसाइल से हमला किया है। मंगलवार-बुधवार की रात ये हमले क्रीमिया में स्थित रूसी सेना की हवाई पट्टी और कुछ अन्य इलाकों पर किए गए। यह जानकारी एक अमेरिकी अधिकारी ने दी है। ये मिसाइल अमेरिका ने गुप्त रूप से यूक्रेन भेजी हैं।

इसके अतिरिक्त यूक्रेन ने रूस के लिपेस्क क्षेत्र में स्थित एक बड़ी स्टील फैक्ट्री पर ड्रोन हमला कर उसे नुकसान पहुंचाया है। यूक्रेन युद्ध की शुरुआत से ही अमेरिका ने यूक्रेन को लंबी दूरी तक मार करने वाले हथियार देने से परहेज किया है। इन मिसाइलों से रूस के आबादी वाले इलाकों में नुकसान होने और नाटो गठबंधन से सीधे टकराव का खतरा पैदा हो जाएगा।

यूक्रेन को मिली नई मिसाइल 300 किलोमीटर तक मार करने वाली है। पता चला है कि अमेरिका ने अक्टूबर 2023 से यूक्रेन को इन मिसाइलों को देना शुरू किया था। अब जबकि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने 95 अरब डॉलर की सहायता स्वीकृत कर दी है तो उसके अंतर्गत भी ये मिसाइलें यूक्रेन को दी जाएंगी।

ईरानी सरकार के विरोध में सड़क पर गाए गाने, मशहूर रैपर को सुनाई गई सजा-ए-मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान में सरकार विरोधी प्रदर्शनों का समर्थन करने और सरकार के खिलाफ सड़कों पर गाना गाने के आरोप में मशहूर रैपर को मौत की सजा सुनाई गई है। वह कुछ समय से जेल में बंद भी था। रैपर के वकील ने एक बयान में कहा कि उसके मुवक्किल ने हिजाब न पहनने के लिए जेल में मारी गई महसा अमीनी के समर्थन में सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया था। वह अपने गीतों के जरिए सरकार के प्रति अपनी रोष प्रकट कर रहा था। वकील ने रैपर की मौत की सजा के खिलाफ उच्च अदालत में अपील की जाएगी।

सरकार विरोधी प्रदर्शनों का समर्थन करने के आरोप में जेल में बंद ईरानी रैपर तूमज सालेही को मौत की सजा सुनाई गई है। उनके वकील ने कहा है कि तूमज सालेही ने अपने गीतों में 2022 में उस विरोध प्रदर्शन का समर्थन किया जब कथित तौर पर हिजाब न पहनने के बाद महसा अमीनी पुलिस हिरासत में मारी गई थी।

सालेही के वकीलों में से एक, अमीर रईसियन ने कहा कि रैपर मौत की सजा जारी करने के खिलाफ अपील करेंगे। ईरानी अधिकारियों ने इस मामले में कोई टिप्पणी नहीं की है।

विरोध प्रदर्शन के समर्थन में सार्वजनिक बयान देने के बाद श्री सालेही को पहली बार अक्टूबर 2022 में गिरफ्तार किया गया था और उन पर कई अपराधों का आरोप लगाया गया था। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के कारण मौत की सजा से बचने के बाद जुलाई 2023 में उन्हें छह साल और तीन महीने की जेल की सजा सुनाई गई थी। लेकिन जनवरी में, इस्फ़हान की रिवोल्यूशनरी कोर्ट ने सालेही पर नए आरोप तय किए थे।

CJI ने वकीलों के लिए की बड़ी घोषणा, जल्द मिलेगी खास सुविधा; सॉलिसिटर जनरल बोले- ये एक क्रांतिकारी पहल

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने आज बड़ी घोषणा की है। उन्होंने कहा कि अब वकीलों को सहुलियत मिलेगी, क्योंकि जल्द ही सुप्रीम कोर्ट द्वारा विभिन्न केसों की फाइलिंग, लिस्टिंग और अन्य के बारे में जानकारी भेजने के लिए वाट्सएप मैसेजिंग सेवा शुरू की जाएगी।

छोटी सी पहल डालेगी बड़ा असर- सीजेआई ने कहा कि यह छोटी सी पहल बड़ा असर डालने की क्षमता रखती है। सीजेआई ने कहा कि वाट्सएप मैसेंजर हमारे दैनिक जीवन में एक सर्वव्यापी सेवा रही है और इसने एक शक्तिशाली संचार उपकरण की भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि न्याय तक पहुंचने के अधिकार को मजबूत करने और न्यायिक प्रणाली में पारदर्शिता बढ़ाने के लिए, सुप्रीम कोर्ट ने अपनी आईटी सेवाओं के साथ वाट्सएप के एकीकरण की घोषणा की है।

सीजेआई ने यह भी कहा कि यह सुविधा और सेवा दैनिक कार्य आदतों में महत्वपूर्ण बदलाव लाएगी और कागजी काम घटाकर पृथ्वी को सुरक्षित करेगी।

हलाल प्रमाणपत्र देने वाले निकायों की मान्यता चार जुलाई तक, सरकार ने बढ़ाई समयसीमा

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकार ने हलाल प्रमाणपत्र देने वाले निकायों की मान्यता और निर्यात इकाइयों के पंजीकरण की समयसीमा तीन महीने बढ़ाकर चार जुलाई कर दी है। विदेश व्यापार महानिदेशालय (छ्त्रस्न्नज्ञ) ने पिछले साल मांस और मांस उत्पादों के लिए हलाल प्रमाणन प्रक्रिया के लिए नीति और शर्तों को अधिसूचित किया था।

साथ ही मौजूदा निकायों को आई-सीएएस (भारत अनुरूप मूल्यांकन योजना) हलाल के लिए राष्ट्रीय प्रमाणन निकाय प्रत्यायन बोर्ड से पांच अप्रैल, 2024 तक मान्यता लेने का निर्देश दिया था। विदेश व्यापार महानिदेशालय वाणिज्य मंत्रालय के अंतर्गत आता है। यह निर्यात और आयात से संबंधित मुद्दों को देखता है। दिशानिर्देशों के अनुसार, मांस और उसके उत्पादों को हलाल प्रमाणित के रूप में निर्यात करने की अनुमति तभी दी जाती है, जब वे भारतीय गुणवत्ता परिषद के बोर्ड से मान्यता प्राप्त निकाय से मिले वैध प्रमाण पत्र वाली सुविधा में उत्पादित, प्रसंस्कृत और पैक किये जाते हैं। उन्हें एनएबीसीबी से मान्यता लेनी होगी। अधिसूचना के अंतर्गत आने वाले उत्पादों में मवेशियों का मांस, मछली, भेड़ और बकरियों का ठंडा मांस एवं इसी प्रकार के मांस उत्पाद आदि शामिल हैं।

आरबीआइ के डिप्टी गवर्नर टी रबीशंकर का कार्यकाल एक साल बढ़ा, 2021 में तीन साल के लिए संभाला था यह पद

नई दिल्ली (एजेंसी)। आरबीआइ के डिप्टी गवर्नर टी रबीशंकर का कार्यकाल एक साल के लिए बढ़ा दिया गया है। मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने तीन मई, 2024 से रबीशंकर का कार्यकाल एक साल के लिए बढ़ाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। उन्हें मई, 2021 में तीन साल के लिए आरबीआइ का डिप्टी गवर्नर बनाया गया था।

वह 1990 में आरबीआइ में शामिल हुए थे और उन्होंने बीते वर्षों के दौरान केंद्रीय बैंक में विभिन्न पदों पर काम किया। डिप्टी गवर्नर के पद पर पदोन्नत होने से पहले वह आरबीआइ के कार्यकारी निदेशक थे।

वोडाफोन समूह की हिस्सेदारी खरीदने के लिए बातचीत नहीं- दूरसंचार कंपनी भारती एयरटेल ने बुधवार को कहा कि वह इंडस टावर्स में ब्रिटिश दूरसंचार कंपनी वोडाफोन समूह की लगभग 21 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करने के लिए बातचीत नहीं कर रही है। इंडस टावर्स में भारती एयरटेल के पास इस समय 47.95 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

इंडस टावर्स दूरसंचार उद्योग को महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा सेवाएं मुहैया कराती है और एयरटेल अपनी दूरसंचार सेवाओं के लिए इस पर काफी हद तक निर्भर है। एयरटेल ने कहा कि वह हमेशा यह सुनिश्चित करेगी कि इंडस मजबूत और वित्तीय रूप से स्थिर रहे।

NH–65 पर खड़े ट्रक से टकराई कार, नवजात समेत परिवार के 6 लोगों की मौत; ओवर स्पीड ने ले ली जान

नई दिल्ली (एजेंसी)। तेलंगाना के सूर्यापेट जिले में हैदराबाद-विजयवाड़ा राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-65) पर गुरुवार तड़के एक दर्दनाक हादसा हुआ। यहां एक कार के एक खड़े ट्रक से टकरा जाने से एक ही परिवार के छह लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में एक नवजात भी था। ओवर स्पीडिंग के कारण यह हादसा हुआ है। चार अन्य घायल भी हुए हैं।

घटना सुबह करीब 4.45 बजे कोडाद ब्लॉक के दुगापुरम गांव में हुई। मृतकों की पहचान जेला श्रीकांत, मनिक्यम्मा, चंदर राव, कृष्णा राव, स्वर्णा और लास्या के रूप में की गई, जो खम्मम जिले के बोनाकल मंडल के गोविंदपुरम के मूल निवासी थे। उनकी उम्र का अभी पता नहीं चल पाया है। कोडाद के पुलिस उपाधीक्षक एम श्रीधर रेड्डी ने कहा, घायलों को इलाज के लिए कोडाद के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है और वे खतरे से बाहर हैं।

रेड्डी के अनुसार, 10 व्यक्तियों का परिवार एक चर्च कार्यक्रम में भाग लेने के लिए हैदराबाद से विजयवाड़ा तक अपने स्पोर्ट्स यूटिलिटी वाहन (पंजीकरण संख्या TS09FF7540 के साथ मारुति अर्टिगा कार) में यात्रा कर रहा था। डीएसपी ने बताया, जैसे ही वे दुर्गापुरम पहुंचे, उनकी कार 100-110 किमी प्रति घंटे की गति से यात्रा करते हुए सड़क के किनारे खड़ी एक लॉरी से टकरा गई। एक शिशु सहित छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए।

पुलिस को संदेह है कि एसयूवी की ओवरस्पीड के कारण यह हादसा हुआ है। उन्होंने कहा, ड्राइवर ने स्पष्ट रूप से ट्रक पर ध्यान नहीं दिया, जो खराब होकर सड़क के किनारे खड़ा था। रेड्डी ने कहा, हमने दुर्घटना का मामला दर्ज कर लिया है और जांच कर रहे हैं।

यह कहना खतरनाक है कि निजी संपत्ति का अधिग्रहण नहीं किया जा सकता, सुप्रीम कोर्ट ने क्यों कही यह बात?

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि संविधान का उद्देश्य सामाजिक परिवर्तन की भावना लाना है। यह कहना खतरनाक होगा कि किसी व्यक्ति की निजी संपत्ति को समुदाय का भौतिक संसाधन नहीं माना जा सकता है और सार्वजनिक भलाई के लिए राज्य द्वारा उसका अधिग्रहण नहीं किया जा सकता है।

प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली नौ न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने यह टिप्पणी की। संविधान पीठ इस प्रश्न पर विचार कर रही है कि क्या निजी संपत्तियों को संविधान के अनुच्छेद 39 (बी) के तहत समुदाय का भौतिक संसाधन माना जा सकता है? कई याचिकाओं के जरिये सुप्रीम कोर्ट में यह मामला उठाया गया है। संविधान के अनुच्छेद 39 (बी) में प्रविधान है कि राज्य अपनी नीति के जरिये यह सुनिश्चित करने का प्रयास करेगा कि समुदाय के भौतिक संसाधनों का स्वामित्व और नियंत्रण इस प्रकार किया जाए, जो आम लोगों की भलाई के लिए सर्वोत्तम हो। मुंबई के प्रापर्टी ओनर्स एसोसिएशन (पीओए) सहित पक्षकारों के वकील ने जोरदार दलील दी कि संविधान के अनुच्छेद 39 (बी) और 31 (सी) की संवैधानिक योजनाओं की आड़ में राज्य के अधिकारियों द्वारा निजी संपत्तियों का अधिग्रहण नहीं किया जा सकता। संविधान पीठ ने कहा, यह सुझाव देना थोड़ा अतिवादी हो सकता है कि समुदाय के भौतिक संसाधनों का अर्थ केवल सार्वजनिक संसाधन हैं। इसकी उत्पत्ति किसी व्यक्ति की निजी संपत्ति में नहीं है। मैं आपको बताऊंगा कि ऐसा दृष्टिकोण रखना क्यों खतरनाक होगा। पीठ ने आगे कहा, खदानों और यहां तक कि निजी वनों जैसी साधारण चीजों को लें। सरकारी नीति अनुच्छेद 39 (बी) के तहत निजी वनों पर लागू नहीं होगी..इसलिए इससे दूर रहें, यह कहना बेहद खतरनाक होगा।

जमुई में शरारती तत्वों ने बजरंगबली मंदिर को किया क्षतिग्रस्त, मामले की छानबीन करने में जुटी पुलिस

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार के जमुई में गिद्धेश्वर पहाड़ की चोटी पर स्थित पक्षीराज जटायु धाम में स्थापित बजरंगबली मंदिर को शरारती तत्वों ने क्षतिग्रस्त कर दिया।

शरारती तत्वों ने मंदिर परिसर में लगे त्रिशूल, बैटरी, लाइट, पताका को मंदिर परिसर से बाहर फेंक दिया एवं टाइल्स को भी उखाड़ दिया। साथ ही मंदिर के गेट की चिटकनी भी तोड़ दी। घटना के बाद से लोगों में आक्रोश व्याप्त है।

मामले की छानबीन में जुटी पुलिस- इधर, घटना की सूचना मिलते ही गरही पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की छानबीन में जुट गई है। घटना की जानकारी लोगों को तब हुई जब कुछ श्रद्धालु मंदिर परिसर में पूजा-अर्चना करने गए।

सालभर पहले हुआ था मंदिर का निर्माण- मंदिर का निर्माण लगभग एक वर्ष पूर्व हुआ था। 30 अगस्त को श्रद्धालुओं ने बजरंगबली प्रतिमा की प्राण-प्रतिष्ठा उत्साहपूर्वक की थी। तब से स्थानीय श्रद्धालु सोमवार एवं पूर्णमासी के दिन पूजा-अर्चना करने मंदिर जाने लगे।

पांच दिन पहले बिशनपुर में भी घट चुकी है ऐसी घटना- पांच दिन पूर्व बिशनपुर पंचायत के भलनी गांव स्थित माता विषहरी की प्रतिमा को भी शरारती तत्वों ने क्षतिग्रस्त कर दिया था। घटना के बाद स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची थी लेकिन अभी तक कुछ सफलता नहीं मिली है।

आठ लाख रंगदारी मांगने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

जमुई की बरहट थाना पुलिस ने आठ लाख रुपये रंगदारी मांगने के आरोप में दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार बदमाशों की पहचान बरहट थाना क्षेत्र के एकडरबा गांव निवासी पंकज यादव और राजेश यादव के रूप में हुई है।

एसडीपीओ सतीश सुमन ने बताया कि पाड़ो निवासी नरेश प्रसाद से दो अलग-अलग नंबर से आठ लाख रुपये की रंगदारी मांगी गई थी।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

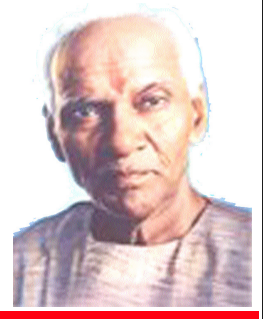

विक्रम संवत 2079 पौष कृष्ण तृतीया

संपादकीय

सेल्फ स्टडी को किसी शिक्षक या प्रशिक्षक की किसी भी प्रकार की सहायता जरूरत नहीं...

सेल्फ स्टडी को किसी शिक्षक या प्रशिक्षक की किसी भी प्रकार की सहायता या पर्यवेक्षण के बिना स्वयं द्वारा अध्ययन की जाने वाली चीज़ के रूप में परिभाषित किया गया है, हालाँकि अध्ययन करने वाला व्यक्ति कुछ बाहरी स्रोतों जैसे किताबें, ट्यूटोरियल और विश्वकोश आदि की मदद ले सकता है, इसलिए यह गलत नहीं होगा। कहते हैं कि यह अध्ययन का एक रूप है जिसमें छात्र अपने निर्देश के लिए काफी हद तक स्वयं जिम्मेदार होता है और स्वयं ही उसका शिक्षक होता है।

उसे कुछ न कुछ करने के लिए कहने या मार्गदर्शन करने वाला कोई नहीं है। इसे स्वयं सीखना या स्वयं द्वारा या स्वयं अपना शिक्षक बनना के रूप में भी परिभाषित किया जा सकता है। स्व-अध्ययन या तो पुस्तकों, कुछ ऑनलाइन पत्रिकाओं के माध्यम से अध्ययन करना या किसी विशेष विषय को सीखने के लिए ट्यूटोरियल का उपयोग करना हो सकता है, स्व-अध्ययन संदर्भ/प्रयोग या एक निर्धारित पाठ्यक्रम द्वारा सीखने का एक व्यक्तिगत प्रयास है। स्व-शिक्षा, सामान्य तौर पर, न केवल सीखने का अधिक सुविधाजनक तरीका है, बल्कि वास्तव में, यह हाई स्कूल, कॉलेज और वयस्क शिक्षार्थियों के लिए पारंपरिक कक्षा शिक्षण पद्धति की तुलना में अधिक प्रभावी है, जिनके पास वास्तव में कक्षाओं में भाग लेने का समय नहीं है।

लेकिन जो लोग अभी भी सोचते हैं कि सीखना केवल कक्षा में ही हो सकता है, उनके लिए स्व-शिक्षा की दुनिया वास्तव में बेतुकी या बेकार हो सकती है। एक शिक्षार्थी बनना इतना आसान और रोमांचक पहले कभी नहीं था। निरंतर सीखने को अपनी जीवनशैली का एक प्रमुख हिस्सा बनने दें और पुरस्कार निरंतर, व्यक्तिगत, सामाजिक और पेशेवर रूप से आपके करियर में जुड़ते रहेंगे। सीखना हमेशा एक आजीवन व्यवसाय के रूप में माना जाना चाहिए। सारी शिक्षा जिज्ञासा से उत्पन्न होती है। जो लोग इस जीवन को बहुत शिद्दत से प्यार करते हैं वे नई चीजें सीखने के लिए बेहद उत्सुक रहते हैं। केवल जिज्ञासु लोग ही हर चीज़ को बहुत व्यक्तिगत रूप से सीखते हैं और अपने द्वारा की गई कड़ी मेहनत से लाभान्वित होते हैं। स्वयं और सामाजिक सीखने की वर्तमान प्रवृत्ति से कुछ विद्वान और विश्लेषक आश्चर्यचकित हैं कि क्या हम औपचारिक शिक्षण तकनीकों और पारंपरिक शिक्षण विधियों के अंत की ओर बढ़ रहे हैं। पहली बार कौशल हासिल करने या अपने वर्तमान कौशल सेट को उन्नत करने के लिए लोगों को प्रशिक्षित करने की हमेशा आवश्यकता होगी, सीखने और विकास पेशेवर कुछ सीखने की जरूरतों को अन्य गैर-औपचारिक दृष्टिकोणों पर छोड़ने के विकल्प पर तेजी से विचार करेंगे। लेकिन अगर लोगों को स्वयं सीखना शुरू करना है, तो हमें पहले यह सुनिश्चित करना होगा कि हर कोई सीखने में सक्षम है और सीखने की प्रक्रिया की प्रभावशीलता उपयोग की गई सामग्री द्वारा निर्धारित की जानी चाहिए। सेल्फ स्टडी के फायदे छात्रों को उनके सोच स्तर को व्यापक बनाने में मदद करता है। बिना किसी प्रतिबंध के सीखने की स्वतंत्रता। स्व-शिक्षा शिक्षार्थी को अपनी रुचियों की संख्या को सीमित करने में सक्षम बनाएगी। नियमित शिक्षण की तुलना में स्वयं सीखना अधिक मजेदार है। विद्यार्थियों में जिम्मेदारी की भावना विकसित होती है और वे जिम्मेदारी स्वीकार करना शुरू कर देते हैं। स्व-शिक्षा का अर्थ है कि आप शिक्षकों या पाठ्यपुस्तकों के उबाऊ नोट्स के बजाय विभिन्न दिलचस्प नई किताबें पढ़ सकते हैं। आप अपना स्वयं का अध्ययन सामग्री बना सकते हैं। आलोचना का कोई डर नहीं. आप अपने शेड्यूल के अनुसार अपने इच्छित समय पर सीख सकते हैं। नियमित शिक्षण की तुलना में, जहां शिक्षक का चम्मच उनमें जानकारी भरता है, स्व-सीखने वाले छात्र स्वयं कार्य करते समय अधिक स्वाभाविक रूप से बने रहते हैं। स्व-शिक्षा उत्साही लोगों को किसी विषय में उतनी गहराई तक जाने और विषय वस्तु के साथ उतनी गहराई तक बातचीत करने का अवसर देती है, जितनी गहराई तक वे जाना चाहते हैं।

श्रीनिवास अयंगर रामानुजन

श्रीनिवास अयंगर रामानुजन् महान् भारतीय गणितज्ञ थे। इन्हें आधुनिक काल के महानतम गणित विचारकों में गिना जाता है। इन्हें गणित में कोई विशेष प्रशिक्षण नहीं मिला, फिर भी इन्होंने विश्लेषण एवं संख्या सिद्धांत के क्षेत्रों में गहन योगदान दिए। इन्होंने अपने प्रतिभा और लगन से न केवल गणित के क्षेत्र में अद्भुत अविष्कार किए वरन् भारत को अतुलनीय गौरव भी प्रदान किया। गणित के क्षेत्र में अपने समय के अनेक दिग्गजों को पीछे छोड़ने वाले श्रीनिवास रामानुजन ने केवल 32 साल के जीवनकाल में पूरी दुनिया को गणित के अनेक सूत्र और सिद्धांत दिए। गणित के क्षेत्र में रामानुजन किसी भी प्रकार से गौस, यूलर और आर्किमिडीज से कम न थे। किसी भी तरह की औपचारिक शिक्षा न लेने के बावजूद रामानुजन ने उच्च गणित के क्षेत्र में ऐसी विलक्षण खोजें कीं कि इस क्षेत्र में उनका नाम अमर हो गया। इन्हें गणित में कोई विशेष प्रशिक्षण नहीं मिला, फिर भी इन्होंने विश्लेषण एवं संख्या सिद्धांत के क्षेत्रों में गहन योगदान दिए। इन्होंने खुद से गणित सीखा और अपने जीवनभर में गणित के 3,884 प्रमेयों का संकलन किया। इनमें से अधिकांश प्रमेय सही सिद्ध किये जा चुके हैं। इन्होंने गणित के सहज ज्ञान और बीजगणित प्रकलन की अद्वितीय प्रतिभा के बल पर बहुत से मौलिक और अपारम्परिक परिणाम निकाले जिनसे प्रेरित शोध आज तक हो रहा है, यद्यपि इनकी कुछ खोजों को गणित मुख्यधारा में अब तक नहीं अपनाया गया है। उनके सूत्र कई वैज्ञानिक खोजों में मददगार बने। हाल में इनके सूत्रों को क्रिस्टल-विज्ञान में प्रयुक्त किया गया है। इनके कार्य से प्रभावित गणित के क्षेत्रों में हो रहे काम के लिये रामानुजन जर्नल की स्थापना की गई है।

जीवन परिचय

आधुनिक भारत के महानतम गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन का जन्म 22 दिसम्बर, 1887 को भारत के दक्षिणी भू-भाग में स्थित तमिलनाडु राज्य में मद्रास से 400 कि.मी. दूर दक्षिण-पश्चिम में कोयंबटूर के ईरोड नामक एक छोटे से गांव में हुआ था। वह पारंपरिक ब्राह्मण परिवार में जन्मे थे। इनकी माता का नाम कोमलताम्मल और इनके पिता का नाम श्रीनिवास अय्यंगर था।

रामानुजन के पिता यहाँ एक कपड़ा व्यापारी की दुकान में मुनीम का कार्य करते थे। रामानुजन जब एक वर्ष के थे तभी उनका परिवार कुंभकोणम आ गया था। इनका बचपन मुख्यतः कुंभकोणम में बीता था जो कि अपने प्राचीन मंदिरों के लिए जाना जाता है।

बचपन

बचपन में रामानुजन का बौद्धिक विकास सामान्य बालकों जैसा नहीं था। यह तीन वर्ष की आयु तक बोलना भी नहीं सीख पाए थे। जब इतनी बड़ी आयु तक जब रामानुजन ने बोलना आरंभ नहीं किया तो सबको चिंता हुई कि कहीं यह गूंगे तो नहीं हैं। 10 साल की उम्र में ही रामानुजन को गणित के प्रति विशेष अनुराग उत्पन्न हो गया थे। रामानुजन को प्रश्न पूछना बहुत पसंद था। उनके प्रश्न अध्यापकों को कभी-कभी बहुत अटपटे लगते थे। जैसे कि- संसार में पहला पुरुष कौन था? पृथ्वी और बादलों के बीच की दूरी कितनी होती है? जब वे तीसरे फार्म में थे तो एक दिन गणित के अध्यापक ने पढ़ाते हुए कहा, ''यदि तीन केले तीन व्यक्तियों को बाँटे जायें तो प्रत्येक को एक केला मिलेगा। यदि 1000 केले 1000 व्यक्तियों में बाँटे जायें तो भी प्रत्येक को एक ही केला मिलेगा। इस तरह सिद्ध होता है कि किसी भी संख्या को उसी संख्या से भाग दिया जाये तो परिणाम 'एक' मिलेगा। रामानुजन ने खड़े होकर पूछा, ''शून्य को शून्य से भाग दिया जाये तो भी क्या परिणाम एक ही मिलेगा?''

गणित से लगाव

रामानुजन जब विश्वविद्यालयी शिक्षा प्राप्त न कर सकें। गणित में तो वे पूरे के पूरे नम्बर ले आते थे लेकिन अन्य विषय में वे फेल हो जाते थे। गणित के प्रति उनका लगाव दीवानगी स्तर पर था कि गणित के प्रति तो उनमें ज्ञान व अन्य के प्रति वैराग्य था। ऐसे में उन्हें अपने घर पर बैठना पड़ा। उनके माता पिता ही उन्हें पागल कहने लगे, उपेक्षित करने लगे व कमेंटस तथा नुक्ताचीनी करने लगे। रामानुजन हमेशा संख्याओं से खिलवाड़ करते रहते थे। उन्होंने केवल 13 साल की उम्र में लंदन विश्वविद्यालय के प्रोफ़ेसर एस. एल. लोनी की विश्व प्रसिद्ध त्रिकोणमिति (ट्रिगनोमेट्री) पर लिखित पुस्तक का अध्ययन कर लिया था एवं अनेक गणितीय सिद्धांत प्रतिपादित किए।

शिक्षा

बाद के वर्षों में जब उन्होंने विद्यालय में प्रवेश लिया तो भी पारंपरिक शिक्षा में इनका कभी भी मन नहीं लगा। पाँच वर्ष की आयु में रामानुजन का दाखिला कुम्भकोड़म् के प्राथमिक विद्यालय में करा दिया गया। रामानुजन ने दस वर्षों की आयु में प्राइमरी परीक्षा में पूरे ज़िले में सबसे अधिक अंक प्राप्त किया। आगे की शिक्षा के लिए सन् 1898 में इन्होंने टाउन हाईस्कूल में प्रवेश लिया और सभी विषयों में अच्छा प्रदर्शन किया। यहीं 15 साल की अवस्था में रामानुजन जब मैट्रिक कक्षा में पढ़ रहे थे उसी समय उन्हें स्थानीय कॉलेज की लाइब्रेरी से गणित का एक ग्रन्थ मिला, %ए सिनोप्सिस आफ एलीमेंट्री रिजल्ट्स इन प्योर एंड एप्लाइड मैथमेटिक्स ' लेखक थे 'जार्ज एस. कार्र।' रामानुजन ने जार्ज एस. कार्र की गणित के परिणामों पर लिखी किताब पढ़ी और इस पुस्तक से प्रभावित होकर स्वयं ही गणित पर कार्य करना प्रारंभ कर दिया। इस पुस्तक में उच्च गणित के कुल 6165 फार्मूले दिये गये थे। जिन्हें रामानुजन ने केवल 16 साल की आयु में पूरी तरह आत्मसात कर लिया था। रामानुजन ने कुछ ही दिनों में सभी फार्मूलों को बिना किसी की मदद लिये हुए सिद्ध कर लिया। इस ग्रन्थ को हल करते समय उन्होंने अनेक नयी खोजें (नयी प्रमेय) कर डालीं। आगे के वर्षों में रामानुजन, कार्र की पुस्तक को मार्गदर्शक मानते हुए गणित में कार्य करते रहे और अपने परिणामों को लिखते गए जो कि %नोटबुक% नाम से प्रसिद्ध हुए। बाद में जब रामानुजन इंग्लैण्ड गये तो उनका गणितीय ज्ञान तत्कालीन गणितीय ज्ञान से अधिक उन्नत था।

व्यवहार

रामानुजन का व्यवहार बड़ा ही मधुर था। इनका सामान्य से कुछ अधिक स्थूल शरीर और जिज्ञासा से चमकती आँखें इन्हें एक अलग ही पहचान देती थीं। इनके सहपाठियों के अनुसार इनका व्यवहार इतना सौम्य था कि कोई इनसे नाराज़ हो ही नहीं सकता था। विद्यालय में इनकी प्रतिभा ने दूसरे विद्यार्थियों और शिक्षकों पर छाप छोड़ना आरंभ कर दिया। इन्होंने स्कूल के समय में ही कॉलेज के स्तर के गणित को पढ़ लिया था।

एक बार इनके विद्यालय के प्रधानाध्यापक ने यह भी कहा था कि विद्यालय में होने वाली परीक्षाओं के मापदंड रामानुजन के लिए लागू नहीं होते हैं। हाईस्कूल की परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद इन्हें गणित और अंग्रेज़ी में अच्छे अंक लाने के कारण सुब्रमण्यम छात्रवृत्ति मिली और आगे कॉलेज की शिक्षा के लिए प्रवेश भी मिला।

छात्रवृत्ति

कुम्भकोड़म् के शासकीय महाविद्यालय में अध्ययन के लिए रामानुजन को छात्रवृत्ति मिलती थी परंतु रामानुजन का गणित के प्रति प्रेम इतना बढ़ गया था कि वे दूसरे विषयों पर ध्यान ही नहीं देते थे। यहां तक कि वे इतिहास, जीव विज्ञान की कक्षाओं में भी गणित के प्रश्नों को हल किया करते थे। नतीजा यह हुआ कि ग्यारहवीं कक्षा की परीक्षा में वे गणित को छोड़ कर बाकी सभी विषयों में फेल हो गए और परिणामस्वरूप उनको छात्रवृत्ति मिलनी बंद हो गई। एक तो घर की आर्थिक स्थिति ख़राब और ऊपर से छात्रवृत्ति भी नहीं मिल रही थी। रामानुजन के लिए यह बड़ा ही कठिन समय था। घर की स्थिति सुधारने के लिए इन्होंने गणित के कुछ ट्यूशन तथा खाते-बही का काम भी किया। सन् 1905 में रामानुजन मद्रास विश्वविद्यालय की प्रवेश परीक्षा में सम्मिलित हुए परंतु गणित को छोड़कर शेष सभी विषयों में वे अनुत्तीर्ण हो गए। कुछ समय बाद 1906 एवं 1907 में रामानुजन ने फिर से बारहवीं कक्षा की प्राइवेट परीक्षा दी और अनुत्तीर्ण हो गए।

6 महीने से तूफानी रिटर्न दे रहा यह शेयर, दिग्गज निवेशक का है दांव

नई दिल्ली (एजेंसी)। शेयर बाजार के दिग्गज निवेशक आशीष कचोलिया के पोर्टफोलियो के स्टॉक- मैन इंडस्ट्रीज (इंडिया) लिमिटेड ने जबरदस्त रिटर्न दिया है। इस मल्टीबैगर स्टॉक ने पिछले छह महीनों में निवेशकों का पैसा दोगुना कर दिया है, जबकि एक साल में 350 प्रतिशत से अधिक का रिटर्न दे चुका है। तूफानी रिटर्न को देखते हुए आशीष कचोलिया भी इस मल्टीबैगर स्टॉक को लेकर उत्साहित हैं।

मैन इंडस्ट्रीज के मार्च तिमाही के शेयरहोल्डिंग पैटर्न के मुताबिक आशीष कचोलिया के पास इस मल्टीबैगर स्मॉल-कैप स्टॉक में 2.10 प्रतिशत हिस्सेदारी है। शेयरों की संख्या के हिसाब से 13,62,395 शेयर होते हैं। हालांकि, दिसंबर तिमाही के शेयरहोल्डिंग पैटर्न में आशीष कचोलिया का नाम सार्वजनिक शेयरधारकों की सूची में नहीं था। इसका मतलब है कि आशीष कचोलिया ने हाल ही में कंपनी में नई हिस्सेदारी खरीदी है। ये भी संभव है कि मामूली हिस्सेदारी रही होगी। मामूली हिस्सेदारी का जिक्र सार्वजनिक शेयरधारकों की सूची में नहीं किया जाता है।

आशीष कचोलिया का यह स्मॉल-कैप स्टॉक एक महीने में 15% से अधिक बढ़ गया है। पिछले छह महीनों में यह स्टॉक 110% तक बढ़ गया है। साल-दर-दिन आधार पर आशीष कचोलिया पोर्टफोलियो का स्टॉक एनएसई पर लगभग 279 से 425 तक बढ़ गया है, इस अवधि में लगभग 50% की वृद्धि हुई है। एक साल के दौरान आशीष कचोलिया का यह स्टॉक लगभग 92.25 से बढ़कर 425 प्रति शेयर के स्तर पर पहुंच गया है, इस अवधि में 350त्न से अधिक की तेजी दर्ज की गई है। इसी तरह पिछले पांच वर्षों में यह स्टॉक लगभग 68.25 से बढ़कर 425 प्रति शेयर के स्तर पर पहुंच गया है।

इसमें 500त्न से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई है। इस स्मॉल-कैप शेयर का 52-सप्ताह का उच्चतम स्तर 454.90 प्रति शेयर है जबकि इसका 52-सप्ताह का निचला स्तर 91.15 प्रति शेयर है।

हर 1 शेयर पर 3 शेयर फ्री में देगी यह एनर्जी कंपनी, ऐलान के बाद शेयर पर टूटे निवेशक

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईनॉक्स विंड के शेयर आज गुरुवार को 9त्न से अधिक चढ़ गए। कंपनी के शेयर आज 658.50 रुपये के इंट्रा डे हाई पर पहुंच गए। शेयरों में इस तेजी के पीछे एक बड़ी वजह है। कंपनी के बोर्ड मेंबर ने 3:1 के बोनस शेयर जारी करने का प्रस्ताव रखा है। आईनॉक्स विंड ने 22 अप्रैल, 2024 को अपनी रिलीज में पहले ही एक्सचेंजों को सूचित कर दिया था कि बोनस इक्विटी शेयर जारी करने पर विचार करने और मंजूरी देने के लिए कंपनी के निदेशक मंडल की बैठक 25/04/2024 को तय है। तभी से आईनॉक्स विंड के शेयर की कीमतें बढ़ रही हैं।

पिछले 5 ट्रेडिंग सेशन के दौरान आईनॉक्स विंड के शेयर की कीमत लगभग 20% बढ़ गई है। पिछले एक महीने में यह शेयर 30त्न तक चढ़ा है। वहीं, छह महीने में इसने 210त्न तक का रिटर्न दिया है। आईनॉक्स विंड के शेयर पिछले एक साल में 520% से अधिक का मल्टीबैगर रिटर्न दिया है। इस दौरान इसकी कीमत 104 रुपये से बढ़कर वर्तमान प्राइस तक पहुंच गई है।

आईनॉक्स विंड ने एक्सचेंजों पर अपनी विज्ञप्ति में कहा कि कंपनी के बोर्ड मेंबर ने 25 अप्रैल 2024 को हुई अपनी बैठक में 3:1 के बोनस शेयर (प्रत्येक मौजूदा इक्विटी शेयर के लिए तीन बोनस इक्विटी शेयर) जारी करने का प्रस्ताव रखा है।

इस शेयर में 10 दिन से लग रहा लोअर सर्किट, 40% तक टूट गया भाव, निवेशकों में हड़कंप

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्टॉक मार्केट की तूफानी तेजी के बीच सन फार्मा एडवांस्ड रिसर्च कंपनी लिमिटेड के शेयरों में गिरावट का सिलसिला जारी है। सप्ताह के चौथे कारोबारी दिन यानी गुरुवार को भी इस शेयर में 5त्न का लोअर सर्किट लग गया। शेयर में गिरावट ऐसे समय में आ रही है जब स्टॉक मार्केट अपने ऐतिहासिक स्तर पर कारोबार कर रहा है।

यह शेयर 11 दिन से बिकवाली मोड में है और लोअर सर्किट का लगातार 10वां दिन है। 10 दिन में शेयर करीब 40% टूट चुका है। इसी के साथ शेयर ने साल 2024 की बढ़त को गंवा दिया है और इस अवधि में 12 फीसदी गिरा है। बता दें कि वर्तमान में SPARC के शेयर 270.90 पर कारोबार कर रहे हैं। शेयर के साल का उच्चतम स्तर 474 रुपये है।सन फार्मा एडवांस्ड रिसर्च कंपनी की एक दवा को लेकर चल रही स्टडी पर रोक लगाने की खबर के बाद शेयर क्रैश हुआ है। बता दें कि पार्किंसंस रोग के रोगियों में वोडोबेटिनिब को लेकर PROSEEK स्टडी किया जा था। 442 मरीजों पर किए गए इस स्टडी से पता चला कि वोडोबेटिनिब लेने वाले रोगियों को ट्रीटमेंट में फायदा नहीं हुआ है।

इसके बाद कंपनी ने स्टडी को बंद करने का फैसला लिया। यह सन फार्मा एडवांस्ड रिसर्च के लिए एक बड़ा झटका है। दरअसल, वोडोबेटिनिब कंपनी के न्यूरोलॉजिकल प्रोग्राम में लीडिंग थी। यह स्टडी पार्किंसंस रोग, लेवी बॉडी डिमेंशिया और अल्जाइमर के लिए हो रही थी। बता दें कि पार्किंसंस रोग एक प्रोगेसिव न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर है। कंपनी के शेयरहोल्डिंग पैटर्न की बात करें तो प्रमोटर्स के पास 65.67 फीसदी हिस्सेदारी है। वहीं, कंपनी के पब्लिक शेयरहोल्डर्स के पास 34.33 फीसदी हिस्सेदारी है।

दिग्गज आईटी कंपनी ने किया 240 डिविडेंड का ऐलान, यह 10 साल में सबसे अधिक है

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिग्गज आईटी कंपनी ओरेकल फाइनेंशियल सर्विसेज सॉफ्टवेयर लिमिटेड ने अपने तिमाही नतीजों के बाद गुरुवार को पिछले एक दशक में अपने हाइएस्ट डिविडेंड देने का ऐलान की। कंपनी ने 240 प्रति शेयर के डिविडेंड की घोषणा की है, जो 2014 के बाद से सबसे अधिक है। साल 2014 में इसने 485 प्रति शेयर के डिविडेंड की घोषणा की थी।

अंतरिम लाभांश के लिए रिकॉर्ड डेट 7 मई तय की गई है। एक्सचेंज फाइलिंग में ओएफएसएस ने कहा है कि डिविडेंड का पेमेंट 23 मई को या उससे पहले किया जाएगा। पिछले साल ओरेकल फाइनेंशियल सर्विसेज ने 225 के लाभांश की घोषणा की थी। 2022 में 190 और 2021 में 200 का डिविडेंड दिया था। जबकि, 2014 से ओरेकल फाइनेंशियल ने अपने शेयरधारकों के लिए प्रति शेयर 2,100 के लाभांश की घोषणा कर चुकी है।

आज ओरेकल फाइनेंशियल के शेयर दिन के उच्चतम स्तर 7578.50 रुपये से नीचे हैं। यह 11:30 बजे के करीब 7,160.95 पर कारोबार कर रहा है। इस साल अबतक इसमें 65 फीसद से अधिक की उछाल है। पिछले एक साल में इसके शेयरों में 109त्न की बढ़त देखी गई है। साल 2002 से अबतक 2762 पर्सेंट से अधिक का रिटर्न दे चुका है।

सीमेंट कंपनी में हिस्सेदारी बेचने की आई खबर, इस शेयर पर टूटे निवेशक, 1 मई पर फोकस

नई दिल्ली (एजेंसी)। सीमेंट सेक्टर से जुड़ी कंपनी- ओरिएंट सीमेंट लिमिटेड के शेयरों में गुरुवार को भारी उतार-चढ़ाव रहा। सप्ताह के चौथे कारोबारी दिन यह शेयर 12 प्रतिशत से अधिक चढ़ गया। हालांकि, कारोबार के अंत में शेयर में मुनाफावसूली देखी गई और यह रेड जोन में बंद हुआ। बता दें कि फरवरी और मार्च महीने में शेयर में क्रमशः 20 प्रतिशत और 14 प्रतिशत की भारी गिरावट देखी गई थी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बिड़ला ग्रुप के

प्रमोटर स्टेक बेचने की डील के करीब पहुंचने की खबर से ओरिएंट सीमेंट में तेजी आई है। अक्टूबर 2023 में इकोनॉमिक टाइम्स ने एक रिपोर्ट में बताया था कि कंपनी ने अपनी प्रमोटर हिस्सेदारी बेचने के लिए अडानी ग्रुप से संपर्क किया था। बिड़ला ने जेपी मॉर्गन को अपने कारोबार के लिए खरीदार ढूंढने के लिए नियुक्त किया था। ओरिएंट सीमेंट में प्रमोटर बिड़ला परिवार की हिस्सेदारी 37.9 प्रतिशत है, जिसका मौजूदा मार्केट वैल्यू 1,917 करोड़ रुपये है। बता दें कि ओरिएंट सीमेंट सीमेंट के निर्माण और बिक्री में लगी हुई है। इसकी विनिर्माण इकाइयां तेलंगाना के देवापुर, कर्नाटक के चित्तपुर और महाराष्ट्र के जलगांव में स्थित हैं।

ओरिएंट सीमेंट 1 मई को अपनी चौथी तिमाही के नतीजों का ऐलान करेगी। तीसरी तिमाही के दौरान कंपनी ने पिछले वर्ष की तुलना में नेट प्रॉफिट में 63.54 प्रतिशत बढ़ोतरी दर्ज की थी। इसके साथ प्रॉफिट 44.99 करोड़ रुपये हो गया। परिचालन से राजस्व भी 2.6 प्रतिशत बढ़कर 732.29 करोड़ रुपये से 751.30 करोड़ रुपये हो गया।

10 महीने से चढ़ रहा यह शेयर, टूटने वाला है 14 साल पुराना रिकॉर्ड, 297 तक जाएगा भाव!

नई दिल्ली (एजेंसी)। मिनरल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड के शेयर को लेकर एक्सपर्ट बुलिश नजर आ रहे हैं। ब्रोकरेज फर्म एलकेपी सिक्योरिटीज ने इस शेयर पर कवरेज शुरू करते हुए एक नया टारगेट प्राइस भी दिया है। यह अहम है कि NMDC के शेयर ने 10 महीनों में 140 फीसदी से ज्यादा का रिटर्न दिया है। अब आने वाले दिनों में और तेजी की उम्मीद की जा रही है। एलकेपी सिक्योरिटीज ने NMDC पर खरीद रेटिंग के साथ कवरेज शुरू किया है। वहीं, 297 का टारगेट प्राइस दिया है। मतलब ये कि शेयर शॉर्ट टर्म में 297 रुपये तक जा सकता है। वर्तमान में शेयर का 52 वीक हाई 252 रुपये है। इस लिहाज से देखें तो शेयर करीब 18% बढ़ सकता है। अगर शेयर अपने टारगेट प्राइस तक पहुंच जाता है तो 14 साल का उच्चतम स्तर होगा। अप्रैल 2010 में शेयर ने इस स्तर को टच किया था। ब्रोकरेज ने अपनी रिपोर्ट में NMDC पर बुलिश आउटलुक के कई कारण बताए हैं।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

संगम वाटिका में मकान गिरने से एक व्यक्ति की मौत के बाद निगमायुक्त ने अधीनस्थों की बैठक ली

ग्वालियर। संगम वाटिका और रंगमहल गार्डन में हुए अग्निकांड और चार शहर का नाका इलाके में नौ नंबर पुलिया के पास अवैध तलघर निर्माण के दौरान मकान गिरने से एक व्यक्ति की मौत के बाद बुधवार को निगमायुक्त ने अधीनस्थों की बैठक ली। इस बैठक में उन्होंने निर्देश दिए कि शहर के प्रत्येक मैरिज गार्डन, होटल, अस्पताल, मल्टी स्टोरी बिल्डिंग, स्कूल, रेस्टोरेंट आदि में अग्निशमन की व्यवस्थाओं से लेकर अनुमति और पार्किंग व्यवस्था तक की जांच की जाए।

यदि व्यवस्थाएं नहीं मिलती हैं, तो संचालक को नोटिस जारी कर सात दिन में इंतजाम करने के लिए कहा जाए।बैठक में निगमायुक्त ने कहा कि शहर में भयप्रद भवनों की सूची बनाकर नोटिस जारी करें। इस पर भवन शाखा के अधिकारियों ने बताया कि शहर में 79 भयप्रद भवन चिह्नित किए गए हैं। इस पर निगमायुक्त ने निर्देश दिए कि जो चिह्नित भवन हैं, उन्हें खाली कराने के लिए संबंधित एसडीएम को पत्र लिखकर अवगत कराया जाए। उन्होंने मैरिज गार्डन और अस्पतालों के संबंध में सवाल किए। इस पर अधीनस्थों ने बताया कि शहर में लगभग 125 छोटे-बड़े मैरिज गार्डन संचालित हो रहे हैं। लगभग इतनी ही संख्या में अस्पताल भी हैं।

इस पर निगमायुक्त ने कहा कि इनकी सटीक संख्या के साथ ही होटल, मल्टी स्टोरी बिल्डिंग सहित सभी इमारतों की जांच की जाए। इसके अलावा जहां भी तलघरों का उपयोग पार्किंग के लिए न होकर अवैध रूप से किसी अन्य कार्य के लिए किया जा रहा है, उन पर भी कार्रवाई करें। बिना अनुमति कहीं भी तलघर का निर्माण न हो। बैठक में सिटी प्लानर पवन सिंघल, सहायक सिटी प्लानर प्रदीप जादौन, विधि अधिकारी अनूप लिटोरिया आदि मौजूद थे।

फायर एनओसी के लिए बनेगी संयुक्त समितिइससे पूर्व निगमायुक्त ने फायर एनओसी के लिए विभिन्न विभागों की संयुक्त बैठक लेकर एक टीम बनाने के निर्देश दिए। बैठक में अपर आयुक्त मुनीष सिंह सिकरवार, सिटी प्लानर पवन सिंघल, अधीक्षण यंत्री डा. अतिबल सिंह यादव, नोडल अधिकारी फायर केशव सिंह चौहान आदि मौजूद थे। बैठक में निगमायुक्त ने कहा कि किसी भी संस्थान की भवन अनुज्ञा और निर्माण अनुमति के समय फायर एनओसी एवं अन्य कार्रवाई पूर्ण की जाए? इन सभी विभागों की एक संयुक्त टीम बने, जो बड़े-बड़े संस्थानों में संयुक्त कार्रवाई कर फायर एनओसी एवं अन्य आवश्यक बिंदुओं पर जांच करे। यदि लापरवाही पाई जाती है तो संबंधित के खिलाफ कार्रवाई की जाए।

शुक्रवार को ईवीएम में कैद होगा 80 उम्मीदवारों का भविष्य

भोपाल। मध्य प्रदेश की छह लोकसभा सीटों के लिए शुक्रवार को मतदान होगा। इसमें 80 उम्मीदवारों को सियासी भविष्य ईवीएम में कैद होगा। यहां पिछले लोकसभा चुनाव में औसत मतदान 67.75 प्रतिशत रहा था।

2019 में सभी छह सीटें (टीकमगढ़, दमोह, खजुराहो, सतना, रीवा और होशंगाबाद) भाजपा ने जीती थीं। पहले चरण के चुनाव में हुए कम मतदान को देखते हुए चुनाव आयोग, भाजपा और कांग्रेस ने मतदान प्रतिशत बढ़ाने के प्रयास किए हैं। दूसरे चरण के चुनाव में शामिल सीटों में 2014 की तुलना में 2019 में मत प्रतिशत में सर्वाधिक 16.92 प्रतिशत वृद्धि खजुराहो लोकसभा सीट पर हुई थी। इसके बाद टीकमगढ़ में 16.42, दमोह में 10.52, होशंगाबाद में 8.41, सतना में 8.3 और रीवा में 6.65 प्रतिशत मतदान अधिक रहा था। पहले चरण में हुए कम मतदान से गड़बड़ाए राज्य के औसत मतदान में सुधार के लिए मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय ने बूथ लेवल आफिसरों को घर-घर भेजा तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से लेकर भाजपा के सभी नेताओं ने मतदाताओं से अपने मताधिकार उपयोग अवश्य करने की अपील भी की है। इस चरण में एक करोड़ 11 लाख 62 हजार 460 मतदाता हैं। शेष मतदाताओं को भी पर्ची उपलब्ध करवाई जा रही हैं।

शहर के प्रमुख बाजारों में तलघर और सड़कों पर कारोबार से सड़कें जाम

ग्वालियर। शहर के प्रमुख बाजारों में तलघर और सड़कों पर कारोबार से सड़कें जाम हैं। सुबह से रात तक जाम लग रहा है। इसमें सबसे ज्यादा खराब हालात लश्कर के हैं। जहां के संकरे बाजारों की सड़कें और तलघर भी घेर लिए गए हैं। जहां वाहनों की पार्किंग होनी चाहिए, वहां दुकानदारों का कब्जा हैऐसे ही दो प्रमुख क्षेत्र हैं- नया बाजार और गुब्बारा फाटक। इन दोनों क्षेत्रों में तलघर और सड़कों पर कारोबार से लग रहे जाम को लेकर एसपी धर्मवीर सिंह ने निगमायुक्त हर्ष सिंह को पत्र लिखा है। एसपी धर्मवीर सिंह ने तलघरों में पार्किंग की जगह व्यावसायिक गतिविधियां संचालित कर रहे कारोबारी और सड़कों पर कारोबार कर जाम लगाने वालों के खिलाफ कार्रवाई किए जाने के लिए 16 अप्रैल को पत्र लिखा है, लेकिन नौ दिन बीत जाने के बाद भी यहां हालात जस के तस हैं। नगर निगम के जिम्मेदारों ने कोई कार्रवाई नहीं की, इससे आम लोग दिनभर परेशान हो रहे हैं।

नया बाजार नया बाजार में कारोबारियों ने तलघर बना रखे हैं। तलघरों में पार्किंग की व्यवस्था होनी चाहिए, लेकिन कारोबारी यहां व्यावसायिक गतिविधियां संचालित कर रहे हैं। तलघरों में दुकान, गोदाम बना लिए गए हैं। दुकानदार अपने और कर्मचारियों के वाहन सड़क के दोनों तरफ रखते हैं। इसके बाद यहां खरीदारी करने आने वाले ग्राहकों की गाड़ियां खड़ी होती हैं। इससे यहां जाम के हालात बनते हैं। 40 से 60 फीट तक चौड़ी सड़क पर महज 15 से 20 फीट सड़क से ही ट्रैफिक गुजर पाता है। इसके अलावा सड़क घिरी रहती है। नया बाजार चौराहे के पास ही हाथ ठेले लगते हैं। नया बाजार में जाम लगने से लोहिया बाजार, दाल बाजार, कंपू तक जाम की स्थिति बनती है।

गुब्बारा फाटक स्थित राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त प्रतिमा से खुर्जे वाला मोहल्ला की तरफ जाने वाले मार्ग पर लगातार जाम की स्थिति रहती है। इस मार्ग पर बीच रोड पर एक विद्युत खंबा है। यहां पास में ही कार एसेसरीज की दुकानें संचालित हैं। सड़क घेरकर गाड़ियां खड़ी की जाती हैं। यहां दिनभर गाड़ियों में एसेसरीज लगाने का काम चलता है।

ट्रैफिक पुलिस ने लश्कर के अलग-अलग इलाकों में बिगड़ते यातायात को व्यवस्थित करने के लिए सर्वे किया। इसमें इन दोनों प्वाइंट पर जाम की वजह एसपी के संज्ञान में लाई गई। इसके बाद एसपी ने निगमायुक्त को पत्र लिखा।

स्नातकोत्तर में प्रवेश लेना मुश्किल, 6 मई से प्रस्तावित है परीक्षा की तिथि

जबलपुर। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय में अंतिम वर्ष की परीक्षा में बिलंब हो गया है। दो माह करीब लेटलतीफी की भेंट चढ़ गए है अब देरी की वजह से स्नातक अंतिम वर्ष की परीक्षा में बिलंब होगा जिसका असर परिणाम पर आएगा। अभी प्रवेश की प्रक्रिया प्रारंभ हो रही है ऐसे में अंतिम वर्ष का परिणाम नहीं आने से प्रवेश कैसे विद्यार्थी ले पाएंगे। 6 मई से अंतिम वर्ष की परीक्षा करवाने का शेड्यूल बनाया

फिलहाल प्रशासन ने 6 मई से अंतिम वर्ष की परीक्षा करवाने का शेड्यूल बनाया है हालांकि इस संबंध में अभी अंतिम आदेश नहीं जारी हुआ है। बता दे कि दो माह पहले जो परीक्षाएं हो जानी चाहिए थी वह अब तक शुरू नहीं हो सकी है। ऐसे में रिजल्ट कब तक आएगा इसका अंदजा लगयाा जा सकता है। जानकारों के अनुसार स्नातक स्तर पर बीए बीकॉम एवं बीएससी अंतिम वर्ष की परीक्षाए विश्वविद्यालय प्रशासन की लापरवाही के चलते अटक गई है। छात्राओं की संख्या करीब 8 से 10 हजार के लगभग बताई जाती हैस्नातक अंतिम वर्ष के छात्राओं की संख्या करीब 8 से 10 हजार के लगभग बताई जाती है।

खजरी-खिरिया बायपास पर स्थित रजा मेटल इंडस्ट्री में गुरुवार की दोपहर लगभग 12 बजे बड़ा विस्फोट हुआ

जबलपुर। खजरी-खिरिया बायपास पर स्थित रजा मेटल इंडस्ट्री में गुरुवार की दोपहर लगभग 12 बजे बड़ा विस्फोट हुआ। विस्फोट में फैक्ट्री के छत उड़ गईं और दीवारों में बड़ी-बड़ी दरारें आ गईं। विस्फोट से फैक्ट्री का सारा सामान टुकड़े-टुकड़े होकर काफी दूर तक बिखर गया। धमाके की आवाज इतनी तेज थी कि उसे आसपास लगभग दो किलोमीटर के दायरे में सुना गया।

इस घटना में कुछ लोगों के हताहत होने की भी आशंका जताई जा रही है। घटनास्थल पर मानव शरीर के अंग भी पाए गए हैं। हालांकि अधिकृत तौर हताहतों के बारे में न तो फैक्ट्री संचालकों की ओर से कोई जानकारी उपलब्ध कराई गई है और न हीं प्रशासन या पुलिस कुछ कह रही है।

मौके पर बम निरोधक दस्ता भी पहुंच चुका है, जो मौके की जांच पड़ताल कर रहा है। विस्फोट की वजह से इंडस्ट्री के अंदर तापमान इतना अधिक बढ़ गया है कि अंदर जाकर जांच करने में पुलिस को परेशानी हो रही है।इस कारखाने को भले ही इंडस्ट्री कहा जा रहा है, लेकिन वास्तव में यह कबाड़ का बड़ा गोदाम है, जहां स्क्रैप को काटने और बाहर भेजने का काम होता है। बताया जाता है है गैस कटर में उपयोग किए जाने वाले सिलेंडरों में ही विस्फोट हुआ है, जिनके टुकड़े पूरी फैक्ट्री में बिखर गए।

हादसे के वक्त इंडस्ट्री में करीब दर्जन भर लोग मौजूद रहे। कुछ घायलों को उपचार के लिए निजी अस्पताल में भर्ती भी कराया गया है। हालांकि कितने लोग घायल या मृत हैं, इस बारे में अब तक पुष्ट जानकारी नहीं मिल पाई है। आसपास के गांव में रहने वालों का कहना है कि यह विस्फोट इतनी जबर्दस्त रहा कि उनको भूकंप जैसा महसूस हुआ। फिलहाल पुलिस ने घटनास्थल को घेर लिया है। किसी भी बाहरी व्यक्ति को प्रवेश नहीं करने दिया जा रहा है।

एक से डेढ़ किलोमीटर तक में मौजूद घरों की दीवारों में दरारखजरी खिरिया बाईपास के पास हुए जबरदस्त विस्फोट की वजह से वहां पर आसपास करीब एक से डेढ़ किलोमीटर तक में मौजूद घरों की दीवारों कारखाने आदि आवासी मकान में दरारें आ गई और घर भी बहुत से डैमेज हो गए हैं। बताया जा रहा है कि यह फैक्ट्री कबाड़ का काम करने वाले शमीम से संबंधित है. फैक्ट्री परिसर बड़े भूभाग पर स्थित है, जहां पर एक हिस्से में नट बोल्ट जैसे सामान के निर्माण की यूनिट है, इस परिसर में धर्म कांटा भी है. इसके इसके अलावा परिसर के बड़े हिस्से में कबाड़ का सामान एकत्रित किया जाता है। जिस वक्त विस्फोट हुआ उसे वक्त फैक्ट्री में अंदर कई मजदूर काम कर रहे थे. घटना के दौरान उनके हताहत होने की आशंका. विस्फोट के बाद मलबे में मानव के कटे हुए अंग मिले हैं. इससे आशंका व्यक्त की जा रही है कि इस विस्फोट में मजदूर के जान माल की क्षति हुई है. कुछ मजदूर के घायल होने की सूचना है, जिन्हें एंबुलेंस से अस्पताल भिजवाया जा रहा है. फिलहाल पुलिस ने घटनास्थल को घेर लिया है. किसी भी बाहरी व्यक्ति को प्रवेश नहीं दिया जा रहा है पुलिस बारीकी से जांच कर रही है।

इलेक्ट्रानिक, प्रिंट, सोशल मीडिया पर प्रसारित होने वाले विज्ञापनों, समाचारों और पेड न्यूज़ पर निगरानी की बेहतर व्यवस्था

यय प्रेक्षक मत्ता पदमा ने मीडिया मॉनिटरिंग प्रकोष्ठ के कार्यों का लिया जायजा

इंदौर । भारत निर्वाचन आयोग द्वारा इंदौर संसदीय क्षेत्र के लिए नियुक्त व्यय प्रेक्षक मत्ता पदमा ने आज यहां जिला पंचायत में स्थापित मीडिया मॉनिटरिंग प्रकोष्ठ के कार्यों का अवलोकन किया। इस प्रकोष्ठ के माध्यम से निर्वाचन के दौरान इलेक्ट्रानिक, प्रिंट, सोशल मीडिया पर प्रसारित होने वाले विज्ञापनों, समाचारों और पेड न्यूज पर निगरानी रखी जा रही है।

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार इंदौर जिले में मीडिया मॉनिटरिंग प्रकोष्ठ की स्थापना की गई है। व्यय प्रेक्षक मत्ता पदमा ने मीडिया मॉनिटरिंग प्रकोष्ठ की विभिन्न शाखाओं का अवलोकन किया। उन्होंने मॉनिटरिंग की व्यवस्थाओं को देखा। उन्होंने निर्वाचन के दौरान अभ्यर्थियों द्वारा निर्वाचन के दौरान इलेक्ट्रानिक, प्रिंट, सोशल मीडिया पर प्रसारित किये जाने वाले विज्ञापनों की निगरानी की व्यवस्थाएं भी देखी। उन्होंने इस प्रकोष्ठ के कार्यों की सराहना भी की। उन्होंने कहा कि निगरानी की बेहतर व्यवस्थाएं है। इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन, मीडिया मॉनिटरिंग प्रकोष्ठ के नोडल अधिकारी तथा संयुक्त संचालक जनसंपर्क डॉ. आर.आर. पटेल ने उन्हें प्रकोष्ठ के संबंध में जानकारी दी। निर्वाचन के दौरान विज्ञापनों, समाचारों और पेड न्यूज पर सतत निगरानी रखने के लिये की गई व्यवस्थाओं के संबंध में विस्तार से बताया।

इस अवसर पर बताया गया कि लोकसभा निर्वाचन 2024 के दौरान पेड न्यूज संबंधी मामलों, प्रिंट मीडिया में प्रकाशित एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया चैनल में प्रसारित खबरों की 24 घंटे सतत् मॉनिटरिंग/रिकॉर्डिंग की व्यवस्था की गई है। न्यूज मॉनिटरिंग, सोशल मीडिया मॉनिटरिंग, मीडिया सर्टिफिकेशन एवं पेड न्यूज के मामलों सहित अन्य सभी कार्यों के लिये अलग-अलग दल गठित कर उनके प्रभारी नियुक्त किये गये हैं। इस प्रकोष्ठ में जनसम्पर्क विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों सहित विषय विशेषज्ञों की टीम लगायी गई हैं। टीम में देवी अहिल्या विश्व विद्यालय के प्रोफेसरों, विभिन्न विभागों के इंजिनियरों, अन्य अधिकारी-कर्मचारियों, विशेषज्ञों सहित लगभग 80 लोगों की सेवाएं ली जा रही हैं। प्रकोष्ठ की टीमों द्वारा तीन पारियों में प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक एवं सोशल मीडिया की खबरों की सतत् निगरानी की जा रही है। यह कार्य प्रतिदिन तीन पारियों में सुबह 6 से दोपहर 2 बजे तक, दोपहर 2 से रात्रि 10 बजे तक और रात्रि 10 से अगले दिन सुबह 6 बजे तक निरन्तर किया जा रहा हैं। समाचार पत्र, पत्रिकाओं में प्रकाशित समाचारों एवं मीडिया रिपोर्ट्स की निगरानी एवं कतरनों के संधारण कार्य के लिए भी अलग टीम सुबह 6 से शाम 6 बजे तक कार्य कर रही हैं।

मूल्यवान वस्तु जो विवाह के पहले, विवाह के समय या विवाह के बाद एक पक्ष द्वारा (वर या वधु) किसी भी दूसरे पक्ष को दी जाती है, उसे दहेज कहा जाता है।

इंदौर। ऐसी संपत्ति या मूल्यवान वस्तु जो विवाह के पहले, विवाह के समय या विवाह के बाद एक पक्ष द्वारा (वर या वधु) किसी भी दूसरे पक्ष को दी जाती है, उसे दहेज कहा जाता है। दहेज लेना-देना एक सामाजिक कुरीति है। इस कुरीति को रोकने के लिए विधायिका द्वारा दहेज प्रतिषेध अधिनियम 1961 बनाया गया है। इस अधिनियम में दहेज लेना और देना, दोनों ही अपराध माने गए हैं। कानून के अनुसार सिर्फ दहेज देने और दहेज लेने वाला ही नहीं बल्कि दहेज लेने या देने में सहायता करने वाला भी आरोपित होता है। इसके अलावा दहेज मांगने वाला भी आरोपित माना जाता है।एडवोकेट देव गुर्जर ने बताया कि दहेज प्रतिषेध अधिनियम 1961 में खास बात यह है कि वैवाहिक विज्ञापनों में दहेज का विज्ञापन देना भी अपराध माना गया है। इस कानून के तहत अपराध होने पर इसे संज्ञेय अपराध की श्रेणी में माना गया है। मजिस्ट्रेट की अनुमति के बगैर भी पुलिस ऐसे मामले में जांच कर आरोपित पर कार्रवाई कर सकती है। यह अपराध गैर जमानतीय है। इसका अर्थ यह हुआ कि आरोपित को जमानत सिर्फ न्यायालय द्वारा ही दी जा सकती है। इन अपराधों में भले ही दोनों पक्षों के बीच समझौता हो जाए, लेकिन समझौते के अनुसार आरोपित दोषमुक्त नहीं हो सकता। इस कानून में अपराध दर्ज होने पर न्यायालय में यह सिद्ध करने का भार आरोपित पर होता है कि उसके द्वारा दहेज की मांग नहीं की गई थी या उसने दहेज नहीं दिया है।

विवाह के समय महिला को स्वेच्छा से मिला धन, सामान, संपत्ति या उपहार जो वह अपने मायके से अपने साथ लेकर आती है, उसे स्त्री-धन माना गया है। उसे भेंट की श्रेणी में नहीं लिया जा सकता है। अगर विवाह के समय कोई उपहार या संपत्ति इत्यादि मिले हैं, तो इसे तीन महीने के भीतर वधु को दे देना चाहिए। अगर उपहार, संपत्ति इत्यादि शादी के बाद भी प्राप्त हुई है, तो उसे प्राप्त होने की दिनांक से तीन महीने में वधु को दे दिया जाना चाहिए।दहेज लेना या देना या दहेज लेन-देन के लिए उकसाने के अपराध में पांच वर्ष तक की सजा और जुर्माना का प्रविधान है। किसी भी प्रकार से दहेज की मांग करने पर छह माह से दो वर्ष तक की सजा और 10 हजार रुपये तक जुर्माने का प्रविधान है। दहेज के कारण मृत्यु होने की स्थिति में न्यूनतम सात वर्ष कठोर कारावास की सजा का प्रविधान है। अगर कोई माता-पिता उपहार स्वरूप मिली सामग्री वधु को नहीं लौटाते हैं, तो उन्हें भी इस प्रविधान के तहत छह माह से दो वर्ष तक की सजा और पांच से दस हजार रुपये तक का जुर्माना अधिरोपित करने का प्रविधान है।

मतदाताओं को मतदान के लिये जागरूक करने की इंदौर में अनूठी पहल

महिलाओं ने क्रिकेट मैच खेलकर मतदान का दिया संदेश

इंदौर। लोकसभा चुनाव को देखते हुए मतदान का प्रतिशत बढ़ाने के लिये कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री आशीष सिंह के निर्देशन में लगातार अनेक नवाचार किये जा रहे है। मतदाता जागरूकता के लिये स्वीप अभियान लगातार चल रहा है। इस अभियान के तहत मतदाताओं को मतदान के लिये जागरूक करने की एक और अनूठी पहल की गई है। यहां महिलाओं ने क्रिकेट खेलकर मतदाताओं को मतदान का संदेश दिया।

स्वीप अभियान के जिला नोडल अधिकारी एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री सिद्धार्थ जैन के मार्गदर्शन में मतदाता जागरूकता गतिविधियों का आयोजन प्रभावी रूप से किया जा रहा है। इस सिलसिले में आज इंदौर जिले में ग्रामीण क्षेत्र में महिलाओं के बीच क्रिकेट मैच का स्वीप गतिविधि के रूप में आयोजन का अभिनव प्रयास किया गया। इन्दौर जनपद पंचायत के ग्राम सिंहासा व ग्राम असरावद खुर्द में स्वयं सहायता समूह की महिला सदस्यों की क्रिकेट टीम बनाई गई। इन टीमों द्वारा क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया। इन महिला टीमो के मध्य खेल के माध्यम से मतदान के प्रति जागरूकता बढाने के लिये प्रयास किये गये। जिसमे दोनों ग्राम की कुल 50 से अधिक महिला सदस्यों द्वारा भाग लिया गया। ग्राम सिंहासा में दुलादेव स्वयं सहायता समूह एवं भवानी स्वयं सहायता समूह के बीच क्रिकेट खेला गया। जिसमें दुलादेव स्वयं सहायता समूह की टीम विजेता रही। इसी तरह ग्राम असरावद खुर्द में रूद्र स्वयं सहायता समूह और बजरंगबली स्वयं सहायता समूह के बीच मुकाबला हुआ। जिसमें विजेता रूद्र समूह रहा।

उपरोक्त आयोजन के माध्यम से आगामी लोकसभा चुनावो में अधिक से अधिक मतदान को बढ़ावा देना साथ ही मैच समाप्ति के पश्चात समूह की महिलाओ में मतदान करने की शपथ ली गयी। संकल्प लिया गया कि वे घर-घर जाकर समस्त मतदाताओ से सम्पर्क कर 13 मई को होने वाले मतदान में मतदान हेतु प्रेरित करेगी।

सीईओ जिला पंचायत श्री सिद्धार्थ जैन ने ग्रामीण महिलाओं के बीच स्वीप गतिविधी के रूप में क्रिकेट मैच आयोजन के नवाचार की प्रशंसा की है एवं आशा व्यक्त की है कि ग्रामीण महिलाओं द्वारा स्वीप अन्तर्गत क्रिकेट में भागीदारी जिले की समस्त महिलाओं को मतदाता के रूप में लोकतंत्र में अपनी जिम्मेदारी निभाने को प्रेरित करेगी।

तुलसी नगर अनंतेश्वर धाम में हुई माँ अंबे, राम दरबार की प्राण प्रतिष्ठा

इंदौर। तुलसी नगर स्थित अनंतेश्वर धाम में आज माँ अंबे, जनकनन्दिनी सीता, मर्यादा पुरुषोत्तम, लक्ष्मण एवं पवनसुत हनुमान जी के भव्य प्रतिमाओं का प्रतिस्थापन राम दरबार के रूप में पूर्ण वैदिक पद्धति के साथ से संपन्न हुआ। प्रतिमा प्रतिस्थापन के पश्चात हवन एवं महाआरती का आयोजन हुआ जिसमें बड़ी संख्या में तुलसी नगर सहित निपानिया एवं पिपलियाकुमार क्षेत्र के विभिन्न कॉलोनियों के श्रद्धालुगण उपस्थित थे।

पूर्ण भक्ति भाव के साथ निकाली गई शोभा यात्रा

अनंतेश्वर सामाजिक सेवा संस्था के संरक्षक राजेश तोमर, के के झा, संजय यादव, अध्यक्ष सीताराम पाटिल, सचिव तुलसीराम यादव ने जानकारी देते हुए कहा कि प्राण प्रतिष्ठा समारोह के तीसरे दिन बुधवार को प्रातःकाल 9 बजे तुलसी नगर स्थित सरस्वती मंदिर प्रांगण से गाजे बजे के साथ भव्य कलश यात्रा निकाली गयी जिसमें बड़ी संख्या में क्षेत्र के मातृशक्तियोंने सर पर कलश लिए शोभा यात्रा में भाग लिया। शोभा यात्रा में बड़ी संख्या में पुरुष श्रद्धालुगण भी उपस्थित थे। तुलसी नगर के विभिन्न सेक्टरों से गुजरते हुए शोभा यात्रा अनंतेश्वर धाम पर समाप्त हुई।

वैदिक मंत्रों के साथ हुई प्राण प्रतिष्ठा

शोभा यात्रा के पश्चात शिखर कलश एवं ध्वजारोहण का प्रतिस्थापन किया गया । उसके पश्चात पंडित बद्रीनाथ मंडलोई एवं पंडित हरिओम मंडलोई की अगुवाई में वैदिक मंत्रों के बीच माँ अंबे एवं राम दरबार की प्राण प्रतिष्ठा की गयी। प्राण प्रतिष्ठा के पश्चात हवन एवं महा आरती हुआ जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुगण उपस्थित थे। शाम 6 बजे से महाप्रसादी का आयोजन किया गया, जिसमें निपानिया, पिपलिया कुमार क्षेत्र के हजारों श्रद्धालुओं के सम्मिलित हुए। इस अवसर पर शहर के प्रसिद्ध भजन मण्डली द्वारा सुमधुर माँ अंबे, सीता राम, कृष्ण एवं शिव भजनों की प्रस्तुतियां दी गयी।

पटाखा फैक्ट्री हादसे को लेकर नेताजी सुभाष मंच की मांग

इन्दौर। हरदा कांड के बाद इंदौर के पास आंबा चंदन गांव में सुतली बम बनाने की फैक्ट्री में हुए हादसे में घायल दूसरे मजदूर ने भी दम तोड़ दिया। फैक्ट्री में आग लगने के बाद हुए विस्फोट में तीन मजदूर झुलस गए थे। घायल हुए 29 वर्षीय दूसरे मजदूर की भी अस्पताल में इलाज के दौरान रविवार को मौत हो गई। अधिकारियों के मुताबिक, इसके साथ ही इस घटना में मरने वाले मजदूरों की संख्या बढ़कर दो हो गई। जबकि एक अन्य मजूदर की हालत नाजुक बनी हुई है। हादसे के बाद पटाखा कारखाने का संचालक मोहम्मद शाकिर खान को पुलिस ने गिरफ्तार किया था।

नेताजी सुभाष मंच के अध्यक्ष मदन परमालिया ने कहा कि इस संबंध में देश के प्रधानमंत्री और मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा जाएगा जिसमें ऐसे फैक्ट्री मालिकों की सम्पत्ति को कुर्क कर सख्त से सख्त सजा दी जाना चाहिए। वहीं मृतकों के परिजनों को 1-1 करोड़ रुपये दिए जाने की मांग की है। मंच शासन-प्रशासन से मांग करता है कि आगे ऐसी अप्रिय घटनाएं शहर में ना हो जिसका विशेष ध्यान रखते हुए जांच अभियान चलाया जाए।

इंदौर संसदीय क्षेत्र के लिए 5 उम्मीदवारों द्वारा नाम निर्देशन पत्र दाखिल

इंदौर। संसदीय क्षेत्र के लिये नाम-निर्देशन पत्र दाखिल करने का सिलसिला जारी है। नाम-निर्देशन पत्र दाखिल करने के छटवें दिन आज 5 उम्मीदवारों द्वारा नाम निर्देशन पत्र दाखिल किये गये। आज श्री सुनील कुमार अहिरवार (निर्दलीय), श्री अयाज अली (निर्दलीय), श्री अक्षय बम(इंडियन नेशनल कांग्रेस), श्री पवन कुमार (अखिल भारतीय परिवार पार्टी) तथा श्री अभय कुमार जैन (निर्दलीय) द्वारा नाम निर्देशन पत्र दाखिल किये गये। इन्हें मिलाकर अब तक 15 उम्मीदवार नाम निर्देशन पत्र जमा कर चुके है।

जय श्री महाकाल ...

मृत्युंजय महाकाल त्राहिमाम शरणागतः ,
जन्म मृत्यु जरा व्याधि पीड़ितो कर्म बंधनाह
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर प्रभु सभी को आरोग्यता प्रदान करें।

उज्जैन-आलोट संसदीय क्षेत्र के सामान्य प्रेक्षक, व्यय प्रेक्षक और पुलिस प्रेक्षक पहुंचे उज्जैन

उज्जैन । भारत निर्वाचन आयोग द्वारा लोकसभा निर्वाचन 2024 में उज्जैन-आलोट संसदीय क्षेत्र के सामान्य प्रेक्षक के लिए आईएएस सुश्री ज्योति यादव, व्यय लेखा प्रेक्षण के लिये आईआरएस श्री बसंत गढ़वाल और पुलिस प्रेक्षण के लिये आईपीएस श्री केतन पाटिल को प्रेक्षक नियुक्त किया गया है।

पुलिस प्रेक्षक श्री केतन पाटिल का आज उज्जैन आगमन हुआ। सुश्री यादव ने निर्वाचन व संसदीय क्षेत्र संबंधित जानकारी उप-जिला निर्वाचन अधिकारी श्री एमएस कवचे से प्राप्त की। इसके साथ उन्होंने स्ट्रांग रूम ,माइक्रो आब्जर्वर प्रशिक्षण और नोडल ऑफिसरों के प्रशिक्षण संबंधित जानकारी ली और आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

इसी क्रम में व्यय प्रेक्षक श्री बसंत गढ़वाल द्वारा निर्वाचन व्यय

लेखा एवं निगरानी दलों में संलग्न अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए और उक्त अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की। सामान्य प्रेक्षक, व्यय प्रेक्षक व पुलिस प्रेक्षक द्वारा आयोग के दिशा निर्देशानुसार कार्य सम्पादित करने के निर्देश भी सम्बन्धितों को दिये। सामान्य प्रेक्षक की लायजनिंग ऑफिसर श्री संगीता भदौरिया ने अवगत कराया कि सामान्य प्रेक्षक सुश्री ज्योति यादव से जनप्रतिनिधि, पत्रकार और आम नागरिक मोबाइल नम्बर 9238967906 पर सम्पर्क कर पूर्व निर्धारित समय या सुबह 10:00 से 11:00 तक गेल गेस्ट हाउस,नागझिरी में मुलाकात कर सकते हैं। इसी तरह व्यय प्रेक्षक श्री बसंत गढ़वाल से जनप्रतिनिधि,पत्रकार और आम नागरिक मोबाइल नंबर 9238990768 पर संपर्क कर पूर्व निर्धारित समय गेल गेस्ट हाउस नागझिरी पर मिल सकते है। पुलिस प्रेक्षक श्री पाटिल से जनप्रतिनिधि,पत्रकार और आम नागरिक मोबाइल नंबर 9815429197 पर संपर्क कर पूर्व निर्धारित समय या प्रातः 10 से शाम 5 बजे तक पुलिस आफिसर्स मेस संजीवनी हॉस्पिटल के सामने देवास रोड पर मिल सकते है। साथ ही दिए गए नंबरों पर संपर्क कर सकते हैं।

स्वीप अंतर्गत कायथा महाविद्यालय के छात्रों को दिलवाई मतदान करने की शपथ

उज्जैन। लोकसभा निर्वाचन 2024 के मतदाता जागरूकता अभियान (स्वीप) अंतर्गत मतदाता जागरूकता और भारत के लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मजबूत करने के उद्देश्य से कार्यक्रम निरंतर जारी है। इसी क्रम में शासकीय महाविद्यालय कायथा की प्राचार्य डॉ.आभा तिवारी के मार्गदर्शन में निर्वाचन साक्षरता क्लब की मीटिंग हुई , जिसमें पदाधिकारी एवं सदस्यों को गत दिवस उज्जैन में हुई मतदाता जागरूकता मीटिंग मैं दिए गए आवश्यक दिशा निर्देशों के बारे में बताया और महाविद्यालय के समस्त छात्र-छात्राओं को निर्वाचन 2024 में अपने घर, मोहल्ले ,गली मे 100 प्रतिशत मतदान करवाने का संकल्प दिलवाया और शिक्षा के साथ साथ नागरिक कर्तव्य निभाते हुए मतदान करने की शपथ दिलवाई गई।

उज्जैन में राष्ट्रीय कलाकार डॉक्टर सुषमा जैन की कला प्रदर्शनी

उज्जैन। इंदौर शहर की वरिष्ठ कलाकार डॉक्टर सुषमा जैन की कला प्रदर्शनी क्लब फनकार आर्ट गैलरी राजस्व कॉलोनी उज्जैन में आयोजित की जा रही है। इस प्रदर्शनी में डॉक्टर जैन के मिक्स मीडिया तकनीक के लगभग 35 चित्र प्रदर्शित किए जा रहे हैं इसका आयोजन दिनांक 26 से 28 अप्रैल तक रहेगा। इस कला प्रदर्शनी का शुभारंभ उज्जैन शहर के प्रसिद्ध कलाकार डॉक्टर श्री कृष्ण जोशी जी दिनांक 26 अप्रैल सांय 5:00 बजे करेंगे।

भागवत कथा में भक्ति का उल्लास

उज्जैन। ग्राम निपानिया सुनार स्थित खेड़ी हनुमान मंदिर पर श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है। प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रीमद् भागवत कथा सुनने के लिए पहुंच रहे हैं। समाजसेवी विजय सिंह गौतम पत्नी के साथ श्रीमद् भागवत कथा सुनने पहुंचे और आरती की।

सामूहिक विवाह सम्मेलन रविवार का होगा भांबी समाज की बैठक में समिति, उप समिति गठित

उज्जैन। भांबी समाज की आवश्यक बैठक 24 अप्रैल को बाबा रामदेव मंदिर, भेरूनाला, उज्जैन पर प्रदेश अध्यक्ष मनोज लोहिया की अध्यक्षता व शहर अध्यक्ष सुनील कड़ेला की विशेष उपस्थिति में आयोजित हुई।

28 अप्रैल 2024 रविवार को 52, चौंसठ योगिनी मार्ग, भेरूनाला उज्जैन स्थित समाज की धर्मशाला पर आयोजित सामूहिक विवाह सम्मेलन को लेकर बैठक में चर्चा की गई तथा सम्मेलन हेतु समिति सहित उप समितियों का भी गठन किया गया।

सामूहिक विवाह समिति के अध्यक्ष राधेश्याम जौहर व सचिव महेन्द्र कड़ेला के अनुसार रविवार को प्रातः 8.30 बजे धर्मशाला से वर वधुओं का चल समारोह निकाला जावेगा जो कि अन्नपूर्णा पेलेस, गढ़कालिका मंदिर के सामने, उज्जैन पर पहुंचकर समाप्त होगा। जहां वरिष्ठ समाजजनों का सम्मान किया जायेगा एवं सप्तपदी से विवाह संस्कार सम्पन्न होगा। 9 नवदम्पत्तियों को प्रमाण पत्र सहित मंगलसूत्र, 25 बर्तन, पायजेब, गृहस्थी का सामान वस्त्रादि सामग्री भेंट की जायेगी।

जैन अध्यक्ष व सिंह सचिव बने

उज्जैन। वनवासी कल्याण परिषद मध्यभारत की उज्जैन महानगर नगरीय इकाई के निर्वाचन विगत दिवस लोकमान्य तिळक स्कूल, नीलगंगा उज्जैन पर प्रांत संगठन मंत्री तिलकराज दांगी व जिला अध्यक्ष ईश्वर पटेल के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुए जिसमें सर्वसम्मति से जितेन्द्र जैन को ''अध्यक्ष'' एवं मनजीतसिंह को ''सचिव'' चुना गया।

आशीष पुजारा को ''कोषाध्यक्ष'', डॉ.सम्राट घोष, विजय जायसवाल, वीरेन्द्र लढ्ढा को ''उपाध्यक्ष'', जोगेश गोविन्दानी को ''सहसचिव'', जयप्रकाश दुबे को ''सह कोषाध्यक्ष'', आयाम प्रमुख वात्सल्य सिसौदिया (स्वास्थ्य), राहुल जैन एडवोकेट (प्रचार प्रसार), अजय जागरी (शिक्षा) को बनाया गया।

कार्यकारिणी सदस्य - डॉ.नरेन्द्र कपूर, जितेन्द्र राठी, दिलीप सोगानी, आयुष जैन, कमल कोठारी, विनोद शर्मा बने।

राही ने संघर्ष की पगडंडियों पर चल कर अपनी राह खुद बनाई -नागर

उज्जैन। रविशंकर नगर में जनकवि, मूर्धन्य पत्रकार स्वतंत्रता संग्राम सेनानी मानसिंह राही की स्मृतियों को समर्पित 40वां पुण्य स्मरण समारोह मनाया गया।

वर्तमान परिपेक्ष्य में मीडिया की चुनौती विषय पर व्याख्यान माला में 99 साल के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं अपने जमाने के लोकप्रिय पत्रकार प्रेम नारायण नागर ने कहा राही का जीवन संघर्ष की पाठशाला थी। उन्होंने संघर्ष की पगडंडियों पर चल कर अपनी राह खुद बनाई। वे निर्भीक पत्रकार और जन चेतना के कवि थे। युवा पीढ़ी उनके मार्ग का अनुसरण कर अपनी राह बना सकती है।

सारस्वत अतिथि जावरा के पूर्व मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर प्रकाश उपाध्याय ने कहा, पुरुषार्थ परिश्रम का प्रतिमान थे राही , निष्पक्षता ओ न्याय का निदान /प्रमाण थे राही , पाखंड झूठ शोषण से लड़ते रहे हर दम सच्चाई का मुखर ऐलान थे राही..।

विशेष अतिथि प्रेस क्लब के अध्यक्ष विशाल सिंह हाड़ा ने कहा, आज की पत्रकारिता और कल की पत्रकारिता में पृथ्वी और आकाश जैसी दूरी हो गई है। चुनोतियाँ तमाम हैं। इन्हीं चुनोतियाँ में ही बेहतर पत्रकारिता कैसे हो इसका रास्ता हमें ही निकालना होगा।

अध्यक्षीय उदबोधन देते हुए रतलाम के वरिष्ठ पत्रकार डाक्टर खुशाल पुरोहित ने कहा पत्रकारिता चुनोतियाँ का सागर है इसमें कश्तियाँ नहीं तैरती, जहाज चलते हैं। हमें इसी बात का ध्यान रखना है। कार्यक्रम का संचालन करते हुए वरिष्ठ पत्रकार एवम आशु कवि नरेंद्र सिंह अकेला ने राही जी के व्यक्तित्व पर कहा, मैं तेरे खत में जवाबों की तरह रहता हूँ, फूल बन कर के गुलाबों की तरह रहता हूँ, रास आती नहीं है मुझको अमीरी सोहबत, अपने बच्चों में नवाबों की तरह रहता हूँ।

वरिष्ठ पत्रकार और राही कर्मवीर सम्मान से सम्मानित महेन्द्र सिंह बैस ने कहा, राही जी ने कभी भी दबाव की पत्रकारिता नहीं की। वे दबंग पत्रकार और लोकप्रिय कवि थे। उज्जैन के वे एकमात्र जनकवि हुए जिन्होंने पूरा जीवन समाज को समर्पित किया। आयोजन समिति की ओर से

कर्मवीर राही सम्मान सुखराम सिंह तोमर, प्रदीप मालवीय, ललित सक्सेना को दिया गया।

साहित्य सम्मान प्रोफेसर अप्रतुल शुक्ल, सतीश सागर, सुनीता राठौर, मुकेश लश्करी जितेंद्र गरासिया प्रेम गहलोत को दिया गया ।

गरिमा पूर्ण समारोह में अतिथियों का स्वागत विजय व्यास, कपूर चंद यादव ,डीएस चौहान, महेंद्र सिंह रघुवंशी, कवि सुगन चंद जैन, अनिल पांचाल, रमेश चंद शर्मा, मनोज ठाकुर, मनीष गर्ग, विजय उपाध्याय, मनोज त्रिवेदी, भीम सिंह राही, कमल सिंह राही, गोविंद सिंह राही, दिव्यांश सिंह ने किया। आभार पूर्व एसडीएम अर्जुन सिंह राही ने व्यक्त किया।

अक्षत इंटरनेशनल स्कूल को मिला 'डिजिटल एक्सीलेंस अवॉर्ड इंदौर भोपाल रीजन के 900 स्कूल थे प्रतिभागी

उज्जैन। इंदौर के ''शेरेटन ग्रांड पैलेस होटेल'' में ''एल्ड्रोक इंडिया के-12 समिट में अक्षत इंटरनेशनल स्कूल ने सर्वश्रेष्ठ स्कूल ''डिजिटल शिक्षण कार्यक्रम को बढ़ावा देना'' श्रेणी के अंतर्गत सर्वश्रेष्ठ अवार्ड जीता।

इस उपलब्धि पर संस्थापक आनंद पंड्या ने अत्यंत हर्ष व्यक्त करते हुए इसका सारा श्रेय टीम अक्षत को दिया एवं कहा कि बिना सभी बच्चों, पालक एवं शिक्षकों के बिना यह उपलब्धि हासिल करना कठिन कार्य है। समिट में इंदौर एवं भोपाल के 900 स्कूलों ने अलग-अलग श्रेणियो में अपना नाम नामांकित किया था। जिनमें अक्षत इंटरनेशनल स्कूल ने सर्वश्रेष्ठ स्थान प्राप्त करते हुए 'डिजिटल एक्सीलेंस अवॉर्ड' प्राप्त किया।

500 विद्यार्थियों का किया स्वास्थ्य परीक्षण

उज्जैन। स्टैनफोर्ड इंटरनेशनल स्कूल में चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें लगभग 1500 विद्यार्थियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया। शिविर में दांत, नाक, कान, गला, आंख, चर्म, हड्डी, महिला एवं बाल चिकित्सा के समस्त विशेषज्ञों डॉ कात्यायन मिश्रा, डॉ किरण पोरवाल, डॉ रोहित कोठारी, डॉ शैलेश कचौले, डॉ सोनिया कोठारी, डॉ एम डी शर्मा, डॉ वासु शर्मा, डॉ प्रतीक जैन, डॉ मिताली पांड़रे आदि।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com